राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार, 06 फ़रवरी-2022 वर्ष-4,अंक-374 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीएम चन्नी के भतीजे को 8 फरवरी तक ईडी की हिरासत में भेजा गया

नई दिल्ली/चंडीगढ़। पंजाब के जालंधर शहर की एक अदालत ने मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भतीजे भूपिंदर सिंह हनी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आठ फरवरी तक प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया।

हनी पर पंजाब में अवैध खनन का आरोप है और उनके खिलाफ जांच चल रही है।

ईडी ने गुरुवार की देर रात आठ घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। उन्हें पूछताछ के लिए दूसरी बार बुलाया गया था। हनी को पहले ईडी ने 23 जनवरी को जांच में शामिल होने के लिए तलब किया था, लेकिन उन्होंने स्वास्थ्य के मुद्दों पर पहले समन को दरकिनार कर दिया था और जांच में शामिल नहीं हुए थे। उन्होंने ईडी अधिकारियों को सूचित किया था कि वह कोविड-19 पॉजिटिव हैं और जांच में शामिल होने में असमर्थ हैं। ईडी ने 18 जनवरी को हनी के आवास होमलैंड हाइट्स समेत 10 जगहों पर छापेमारी की थी। ईडी ने दो दिनों तक अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की और आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए। हनी को जालंधर में ईडी के जोनल ऑफिस में पेश होने के लिए कहा गया था। उन्हें चल रही जांच के सिलसिले में अपना बयान दर्ज कराना था। ईडी अधिकारियों ने हनी के बिजनेस पार्टनर कुदरत दीप सिंह का भी बयान दर्ज किया है। ईडी के अधिकारी ने इससे पहले कहा था कि उन्होंने छापेमारी के दौरान अवैध बालू खनन, संपत्ति के लेन-देन, सेल फोन, 21 लाख रुपये से अधिक का सोना और 12 लाख रुपये की घड़ी और 10 करोड़ रुपये नकद से संबंधित आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए हैं। एक सूत्र ने बताया कि उनके द्वारा बरामद दस्तावेजों से इस बात की पुष्टि हुई है कि कुदरत दीप सिंह दो फर्म चला रहे थे और भूपिंदर सिंह हनी उनमें संयुक्त निदेशक थे। सूत्रों के अनुसार, फर्म मूल रूप से शेल कंपनियां हैं, लेकिन ईडी ने बहुत सारे पैसे के लेनदेन का पता लगाया है।

योगी आदित्यनाथ फकीर या अखिलेश यादव अमीर ? एक के पास रिवॉल्वर, दूसरे के पास 40 करोड़ की संपत्ति

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पद के दो प्रबल दावेदारों (वर्मतमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पूर्व सीएम अखिलेश यादव) ने अपने-अपने नामांकन दाखिल कर लिए हैं। दोनों ने चुनावी हलफनामे में अपनी-अपनी संपत्तियों का खुलासा किया है। अनुमान के अनुरूप योगी की संपत्ति अखिलेश की तुलना में काफी कम है। शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने के बाद योगी आदित्यनाथ ने जो अपनी संपत्तियों की घोषणा की है, उसके मुताबिक उनके पास 1.5 करोड़ की कुल संपत्ति है। वहीं, अखिलेश के पास 40 करोड़ से अधिक की चल और अचल संपत्ति है।

योगी के पास सैमसंग का मोबाइल और रिवॉल्वर

नामांकन के दौरान योगी आदित्यनाथ ने जो शपथ पत्र चुनाव आयोग को सौंपा है उसके मुताबिक, यूपी के सीएम के पास 1,54, 94,054 करोड़ की संपत्ति है। इसमें कैश और

बैंक बैलेंस भी शामिल है। उनके पास एक सैमसंग का फोन है, जिसकी कीमत 12 हजार रुपए है। इसके अलावा 1 लाख रुपए की रिवॉल्वर और 80 हजार की राइफल भी उनके पास है। योगी के पास कोई वाहन नहीं है।

योगी आदित्यनाथ के पास डाकघर संसद मार्ग, नई दिल्ली के खाते में 3524708 रुपए हैं, जबकि 2.33 लाख रुपए का बीमा है। उनके पास 49 हजार रुपए कीमत का 20 ग्राम का कुंडल, दस ग्राम की रुद्राक्ष लगी एक सोने की चेन, जिसकी कीमत 12 हजार रुपए है। उनके पास कोई अचल संपत्ति नहीं है। न ही उनपर कोई मुकदमा है। 49 वर्ष के मुख्यमंत्री योगी, एचएन बहुगुणा विश्वविद्यालय श्रीनगर, पौड़ीगढ़वाल से विज्ञान (बीएससी) से स्नातक तक हैं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव तक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पास तीन लग्जरी गाड़ियां थी। इनमें एक पुरानी टाटा सफारी, इनोवा और नई फॉर्च्यूनर शामिल है। उनके पास उस समय भी कोई अचल संपत्ति नहीं थी।

पांच साल में कितनी बढ़ी योगी संपत्ति

गोरखपुर शहरी विधानसभा से भाजपा के प्रत्याशी बनाए गए सीएम योगी आदित्यनाथ की संपत्ति में पिछले चार साल में करीब 59 लाख रुपये की वृद्धि हुई है। एमएलसी चुने जाने के समय उनकी संपत्ति 95.98 लाख रुपये थी जो अब बढ़कर 1.54 करोड़ हो गई है। पिछले लोकसभा चुनाव 2014 में सांसद रहते हुए योगी की संपत्ति 72.17 लाख रुपये थी। शुक्रवार को दाखिल पर्चे के साथ दिए गए शप?थ पत्र के मुताबिक मुख्यमंत्री के पास दो असलहे भी हैं। इनमें एक ?लाख कीमत की एक रिवाल्वर व 80 हजार रुपये कीमत की एक राईफल भी है।

आखिलेश यादव की संपत्ति

अखिलेश यादव ने मैनपुरी की करहल सीट से नॉमिनेशन के समय संपत्ति का जो ब्यौरा चुनाव आयोग को सौंपा है, उसके मुताबिक अखिलेश, उनकी पत्नी डिंपल और बच्चों के नाम 40 करोड़ रुपए से अधिक चल-अचल संपत्ति है। खास बात यह है कि पिछले 5 साल यानी योगी के मुख्यमंत्री रहते अखिलेश यादव की आमदनी में मामूली इजाफा हुआ है। अखिलेश ने जो इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किए हैं उसके तहत 2016-17 में उनकी आय 71,66,998 रुपए थी, जो 2020-21 में बढ़कर 93,98,569 रुपए हो गई। उनकी पत्नी डिंपल यादव के इनकम टैक्स रिटर्न का ब्योरा भी दिया गया है, जिसमें 2016-17 में डिंपल की आय 55,95,690 रुपए दर्शायी गई। 2020-21 में उनकी आय बढ़कर 59,14,555 रुपए हो गई। उनके घोषणा पत्र में वारिसान के रूप में उनकी पुत्री अदिति यादव, पुत्र अर्जुन यादव और पुत्री टीना यादव का नाम भी दिया गया है।

● नामांकन दाखिल करने के बाद योगी आदित्यनाथ ने जो अपनी संपत्तियों की घोषणा की है, उसके मुताबिक उनके पास 1.5 करोड़ की कुल संपत्ति है। वहीं, अखिलेश के पास 40 करोड़ से अधिक की चल और अचल संपत्ति है। नामांकन के दौरान योगी आदित्यनाथ ने जो शपथ पत्र चुनाव आयोग को सौंपा है उसके मुताबिक, यूपी के सीएम के पास 1,54, 94,054 करोड़ की संपत्ति है। इसमें कैश और बैंक बैलेंस भी शामिल है।

हाई कोर्ट्स में वर्चुअल हियरिंग अनिवार्य करने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार, कहा-एचसी हमारे अधीन नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट्स में वर्चुअल हियरिंग अनिवार्य करने से इनकार कर दिया है। SC ने कहा कि वह उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों को वर्चुअल सुनवाई अनिवार्य करने का निर्देश नहीं दे सकता है। जस्टिस धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हाई कोर्ट हमारे अधीन नहीं हैं। प्रत्येक उच्च न्यायालय के अपने अधिकार क्षेत्र में बहुत ही अजीबोगरीब शर्तें होती हैं। हम उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश को आदेश जारी नहीं कर सकते हैं कि आप केवल वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर काम करेंगे। इस मामले की बेंच में जस्टिस सूर्यकांत भी शामिल थे। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कोविड-19 महामारी के दौरान आने वाली गंभीर समस्याओं के मद्देनजर वर्चुअल हियरिंग शुरू की। अब इस मुद्दे को हल करने के लिए इसे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों पर छोड़ दिया जाना चाहिए।

यह हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को तय करने का मामला-पीठ ने कहा, हम नहीं जानते कि कौन सी सुविधाएं उपलब्ध हैं। लोकल बार का स्टैंड क्या है। राज्य सरकार की ओर से किस प्रकार की सहायता उपलब्ध है। इन मुद्दों को प्रशासनिक पक्ष से निपटना होगा। यह उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को तय करने का मामला है।

कोरोना के चलते कामकामज के घंटे घटाए गए-अदालत वकील घनशम उपाध्याय की

ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें बॉम्बे हाई कोर्ट के जनवरी के सर्कुलर को चुनौती दी गई थी, जिसमें कोविड-19 की तीसरी लहर के कारण मुंबई में कामकाज को केवल तीन घंटे तक सीमित कर दिया गया था। उपाध्याय ने यह भी मांग की कि महाराष्ट्र की सभी अदालतों को वर्चुअल प्लेटफॉर्म पर भी काम करना चाहिए।

भाजपा नेता सीटी रवि ने राहुल गांधी को बताया टूरिस्ट पालिटिशियन, कहा-

गोवा में सिर्फ चुनाव से पहले ही आते हैं

उत्तर गोवा। गोवा विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के राज्य में चुनावी बैठक और प्रचार को लेकर भाजपा नेता सीटी रवि ने कटाक्ष किया है। उन्होंने राहुल गांधी को एक टूरिस्ट पालिटिशन कहकर संबोधित किया। भाजपा नेता रवि ने कहा, राहुल गांधी एक पर्यटक राजनेता हैं, जो चुनाव से पहले ही गोवा आते हैं। आपको बता दें कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी शुक्रवार को 1 दिन के दौरे पर गोवा की राजधानी पणजी पहुंचे थे, जहां उन्होंने विधानसभा चुनाव 2022 के लिए डोर टू डोर कैंपेन के साथ-साथ पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की थी।

भाजपा नेता सीटी रवि ने राहुल गांधी पर साधा निशाना-गोवा के आगामी विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी की सक्रियता और उनके गोवा आगमन पर भाजपा नेता सिटी रवि ने जमकर निशाना साधा है। राहुल गांधी के चुनाव के वक्त गोवा आगमन पर सीटी रवि ने कहा कि राहुल गांधी एक टूरिस्ट नेता हैं, जो चुनाव से पहले ही गोवा आते हैं। ?

उन्होंने कहा कि भाजपा, कांग्रेस से बिल्कुल अलग है, भारतीय जनता पार्टी चीन के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर नहीं करती है। भाजपा नेता सीटी रवि ने कहा कि कांग्रेस को देश के प्रति वफादार रहने की जरूरत है।

आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस को भी लिया घेरे में-भाजपा नेता सीटी रवि ने कांग्रेस के साथ-साथ आदमी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस को भी घेरे में लिया, उन्होंने कहा, मैं अरविंद केजरीवाल से नई दिल्ली में गोवा की जल निकासी व्यवस्था लागू करने के लिए कहता हूं, जबकि ममता बनर्जी को पश्चिम बंगाल में गोवा माडल को अपनाना चाहिए।

भाजपा नेता सीटी रवि ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आगे कहा, मैं उनसे पश्चिम बंगाल को गोवा में ना लाने के लिए अनुरोध करता हूं, क्योंकि वहां सब कुछ हत्या, अत्याचार और दुष्कर्म से जुड़ा हुआ है उन्होंने कहा कि गोवा में कानून की दुरुस्त व्यवस्था है, यहां ला एंड आर्डर अच्छी तरह से मेंटेन किया जाता है, उन्हें पश्चिम बंगाल में गोवा कानून व्यवस्था लागू करनी चाहिए। उनके द्वारा पश्चिम बंगाल में गोवा की खूबसूरत सड़कों का निर्माण किया जाना चाहिए।

श्रीनगर के जकुरा में आतंकियों व सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़, लश्कर-ए-तैयबा व TRF के 2 आतंकी ढेर

श्रीनगर। श्रीनगर शहर के जकुरा इलाके में शनिवार सुबह सुरक्षाबलों व आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। यह जानकारी कश्मीर जोन पुलिस की ओर से दी गई। कश्मीर के आइजीपी ने बताया कि आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और TRF के दो आतंकवादियों को श्रीनगर पुलिस ने मार गिराया है। मारे गए आतंकवादियों में से एक इखलाक हाजम है। इनके पास से 02 पिस्तौल सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई हैं।

बुधवार को मारा गया एएसआई पर हमला करने वाला आतंकी-पुलिस के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर शब्बीर अहमद पर मंगलवार की शाम को हुए हमले में लिप्त हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकी मूसा को सुरक्षाबलों ने बुधवार को एक मुठभेड़ में मार गिराया। पुलिस ने उसके एक ओवरग्राउंड वर्कर को भी गिरफ्तार किया है। फिलहाल, उसके अन्य साथियों की धरपकड़ के लिए सुरक्षाबलों ने तलाशी अभियान चला रखा है।

कश्मीर में दो मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर जाहिद वानी सहित पांच आतंकी ढेर-गत शनिवार रात को दो अलग-अलग मुठभेड़ों में पांच आतंकी ढेर हो गए। इनमें जैश-ए-मोहम्मद का डिवीजनल कमांडर जाहिद वानी उर्फ टाइगर समेत चार आतंकी जिनमें एक पाकिस्तानी हैं, दक्षिण कश्मीर के नेयरा, पुलवामा में हुई मुठभेड़ में मारे गए हैं। वहीं लश्कर-ए-तैयबा का एक आतंकी बड़गाम के तिलसर चरार-ए-शरीफ में मारा गया है। बड़गाम जिले के तिलसर चरार-ए-शरीफ में शनिवार की रात 10 बजे शुरु हुई मुठभेड़ आधी रात के बाद एक आतंकी के मारे जाने के समाप्त हो गई। मारा गया आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का था। उसके पास से एक एसाल्ट राइफल व अन्य साजो सामान भी मिला।

वैक्सीन नहीं लगवाने वालों को अब कॉल करेगी दिल्ली सरकार, जिला कार्यालयों में बनेंगे वॉर रूम

नई दिल्ली। दिल्ली में 100 फीसदी कोरोना टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने सभी जिला कार्यालयों में वॉर रूम बनाने के निर्देश दिए हैं। इनके माध्यम से कोरोना का टीका नहीं लगवाने वाले लोगों को कॉल कर उन्हें टीका लगवाने के लिए कहा जाएगा। दिल्ली के कई जिलों में पहले भी वॉर रूम बनाए गए थे, लेकिन कोरोना के मामले कम होने पर इन्हें बंद कर दिया गया था। सरकार की ओर से सभी वॉर रूम को फिर से युद्ध स्तर पर चालू करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली सरकार के अधिकारियों ने बताया कि इन वॉर रूम में तैनात कर्मियों का मुख्य कार्य लोगों को फोन कर यह बताना है कि उनकी दूसरी खुराक अभी बाकी है। अधिकारियों के अनुसार, हर जिले में कार्यबल के लोग प्रतिदिन लगभग 10 से 15 हजार लोगों को कॉल करते हैं। पश्चिमी जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वॉर रूम के अच्छे नतीजे मिले हैं।

उन्होंने कहा कि यहां कर्मचारी दस्तावेजों की जांच करते हैं और उन लाभार्थियों को कॉल कर टीका लगवाने का अनुरोध करते हैं जिन्होंने दूसरी खुराक नहीं ली है।

लगातार निगरानी का लाभ

दिल्ली सरकार के मुताबिक पहले लगभग प्रत्येक जिले में लगभग पांच लाख लोग थे जिन्होंने दूसरी खुराक नहीं ली थी। यह संख्या घटकर एक लाख रह गई है। लगातार निगरानी करने से यह हासिल हो पाया। उन्होंने कहा कि हर दिन हम लगभग 15 हजार लोगों को कॉल करते हैं और दूसरी खुराक लेने को कहते हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान युद्ध स्तर पर जारी है, इसलिए जिन्होंने दूसरी खुराक नहीं ली है उन्हें जल्द ही मिल जाएगी।

दो करोड़ लोग ले चुके पहली डोज

दिल्ली में 80 फीसदी से अधिक वयस्क आबादी का पूर्ण टीकाकरण हो चुका है। शेष 20 फीसदी आबादी का पूर्ण टीकाकरण भी डेढ़ महीने में होने की उम्मीद है। राजधानी में अबतक टीके की कुल दो करोड़ 85 लाख 38 हजार 784 डोज दी जा चुकी हैं। इनमें पहली, दूसरी और सतर्कता डोज लेने वाले शामिल हैं। दिल्ली में टीकाकरण की पहली एक करोड़ डोज लगने में 197 दिन का समय लगा। वहीं, इसके बाद एक से दो करोड़ पहुंचने में मात्र 84 दिन लगे। राजधानी में मतदाता सूची के अनुसार वयस्कों की कुल संख्या एक करोड़ 47 लाख 95 हजार 549 है। इन सभी वयस्कों को नवंबर तक टीके की एक डोज लगाई जा चुकी थी। साथ ही इनमें से करीब 79 लाख लोगों को टीके की दोनों डोज लग चुकी थी। इस तरह 10 महीने में ही राजधानी की कुल वयस्क आबादी टीके की एक डोज और आधी से ज्यादा वयस्क आबादी दोनों डोज ले चुकी थी। इसके बाद रफ्तार कुछ कम हुई, लेकिन ओमिक्रॉन के मामले बढ़ने पर रफ्तार दोगुनी हो गई है।

कर्नाटक में हिजाब विवाद गहराया; मुस्लिम लड़के भी प्रोटेस्ट से जुड़े, CM ने की बैठक, HC में 8 फरवरी को सुनवाई

बेंगलुरु। कर्नाटक के उडुपी जिले में तीन और कॉलेजों ने हिजाब पहनकर आई महिला मुस्लिम छात्राओं के एंट्री देने से इनकार कर दिया। 28 दिसंबर, 2021 को उडुपी से इस तरह का पहला मामला आया था। अब तक कुल पांच शिक्षण संस्थानों- तीन सरकारी कॉलेजों और दो निजी संस्थानों ने हिजाब पहनने पर छात्राओं की एंट्री पर रोक लगा दी है। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए शुक्रवार को किसी संस्थान में पहली बार पुलिस तैनात की गई थी।

महिलाओं और कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह कार्रवाई उनके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। वहीं सरकार और अधिकारियों का तर्क है कि यह नियम शैक्षणिक संस्थानों में धार्मिक प्रतीकों के प्रदर्शन को रोकने के लिए है। कई हिंदू छात्र कक्षा में हिजाब पहनने वाली मुस्लिम लड़कियों का विरोध कर रहे हैं। वो स्थानीय छात्रों को संस्थानों में भगवा स्कार्फ पहनने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

शुक्रवार को पहली घटना उडुपी के भंडारकर कॉलेज में हुई। छात्रों के अनुसार, जब वे सुबह कॉलेज पहुंचे तो हिजाब पहनकर आई छात्राओं को कॉलेज के अधिकारियों ने पुलिस की मौजूदगी में गेट पर रोक दिया। कुंडापुर पुलिस के अधिकारियों ने कहा कि कॉलेज के प्रिंसिपल का फोन आने के बाद पुलिस को तैनात किया गया था।

हिजाब को लेकर विवाद के बीच कर्नाटक सरकार ने शैक्षणिक संस्थानों से पोशाक संबंधी मौजूदा नियमों का पालन करने को कहा है, जब तक कि उच्च न्यायालय अगले सप्ताह इस संबंध में कोई आदेश नहीं दे देता। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने सरकार के रुख के बारे में प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा मंत्री बी सी नागेश और शीर्ष सरकारी अधिकारियों के साथ शुक्रवार को बैठक की। मालूम हो कि कर्नाटक हाई कोर्ट में इस मामले पर 8 फरवरी को सुनवाई होगी।

वहीं, कांग्रेस नेता सिद्धरमैया ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने के अधिकार पर मुस्लिम लड़कियों का समर्थन किया और भाजपा नेतृत्व वाली सरकार पर हमला किया।

वहीं, कांग्रेस नेता सिद्धरमैया ने शैक्षणिक संस्थानों में हिजाब पहनने के अधिकार पर मुस्लिम लड़कियों का समर्थन किया और भाजपा नेतृत्व वाली सरकार पर हमला किया। सिद्धरमैया ने कहा, किसी कॉलेज के अंदर वह भी एक सरकारी शैक्षणिक संस्थान में लड़कियों को प्रवेश से इनकार करना, विद्यार्थियों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने भाजपा पर छात्रों को भगवा शॉल पहनने, इसे मुद्दा बनाने के लिए उकसाने का आरोप लगाया।

सुविचार

अपनी खुशियों की प्रत्येक पल का आनंद लें क्योंकि यह बुढ़ापे का अच्छा सहारा है - क्रस्टोफर मोल

संपादकीय

स्थानीय को रोजगार

हरियाणा सरकार ने हार नहीं मानी है। प्रदेश सरकार ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के उस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, जिसमें निजी क्षेत्र में स्थानीय लोगों के लिए 75 फीसदी आरक्षण को स्थगित कर दिया था। यह कानून नवंबर में पास हुआ था और इस साल 15 जनवरी से लागू हुआ है। जब इस कानून का विधेयक विधानसभा में पेश हुआ, तभी से निजी क्षेत्र की कंपनियां और उनके संगठन इसका विरोध कर रहे हैं। बाद में इन सभी ने इसे हाई कोर्ट में चुनौती दी और बृहस्पतिवार को अदालत ने इस पर रोक लगा दी थी। हरियाणा सरकार इसके अगले ही दिन जिस तरह सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई, वह बताता है कि यह मामला उसकी प्राथमिकता सूची में कितना ऊपर है। उच्च न्यायालय से रोक का फैसला आते ही राज्य के उप-मुख्यमंत्री दुष्यंत चैटाला ने ट्वीट करके इसका इरादा उसी समय जता दिया था। दुष्यंत चैटाला की जननायक जनता पार्टी ने अपने चुनाव घोषणापत्र में स्थानीय लोगों को आरक्षण देने का वादा किया था। उनकी पार्टी भाजपा के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार का दूसरा सबसे बड़ा घटक है। यह पहली बार नहीं है, जब किसी राज्य में स्थानीय लोगों को इस तरह का आरक्षण देने का मामला उठा हो। ऐसी कोशिशें कई राज्यों में कई बार हुई हैं। 1995 में गुजरात सरकार ने ऐसा ही कानून बनाने की कोशिश की थी। महाराष्ट्र में शिव सेना के घोषणापत्र में भी रोजगार में स्थानीय लोगों को ही प्राथमिकता देने की बात होती रही है और वहां भी ऐसा कानून बनाने की कोशिशें हुई हैं। क्षेत्रीय दलों के लिए यह एक आसान राजनीतिक फॉर्मूला है। उन्हें लगता है कि स्थानीय लोगों को रोजगार देने की बात करके वे जनमत अपने पक्ष में करने में कामयाब हो जाएंगे। पर निजी क्षेत्र हमेशा ही ऐसी किसी भी पाबंदी का विरोध करता रहा है। किसे काम पर रखना है और किसे नहीं, इसे लेकर निजी उद्योग पूरी स्वतंत्रता चाहते हैं। इसमें सरकारी पाबंदियां उनके लिए कई तरह की परेशानियां खड़ी करती हैं। हालांकि, आमतौर पर निजी क्षेत्र की पहली प्राथमिकता स्थानीय लोग ही होते हैं, क्योंकि उसके लिए भी यह सुविधाजनक होता है। लेकिन उनका पहला मकसद यह होता है कि अधिक से अधिक ऐसे लोगों को रखा जाए, जो उसके काम के अनुकूल अधिकतम कुशलता रखते हैं। ऐसे पदों पर स्थानीयता ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं होती। यह सच है कि हरियाणा इस समय देश के उन राज्यों में से एक है, जहां बेरोजगारी दर सबसे ज्यादा है। लेकिन इसे दूर करने का सबसे अच्छा तरीका क्या निजी क्षेत्र में आरक्षण ही है? अगर शिक्षा और कौशल विकास पर ध्यान दिया जाए, तो हरियाणा के बच्चों के लिए अपने राज्य में ही नहीं, दूसरे प्रदेशों में भी रोजगार के बहुत सारे रास्ते खुल सकते हैं। अभी पता नहीं कि अदालतों में यह मामला कहां तक जाएगा। उच्च न्यायालय ने भी सिर्फ स्थगन ही दिया है, वहां से कोई अंतिम फैसला नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट में की गई अपील इसी स्थगन को खत्म कराने के लिए है। लेकिन यह उम्मीद तो की ही जानी चाहिए कि जब इस मामले में अंतिम फैसला आएगा, तो वह देश के उन अन्य राज्यों और क्षेत्रीय दलों के लिए भी नजीर बनेगा, जो स्थानीय लोगों को आरक्षण का वादा करके अपना कर्तव्य पूरा मान लेते हैं और रोजगार के मोर्चे पर ठोस काम या व्यवस्था नहीं करते।

प्रगतिशील बजट में निचले तबके की अनदेखी

सुषमा रामचंद्रन

एक ऐसा बजट, जिसका सीधा मकसद उन्नति के लिए बुनियादी ढांचे में सार्वजनिक निवेश को बढ़ाना हो, यह मंतव्य अगले साल का बजट बनाने में की गई वार्षिक सरकारी मशक्कत की सबसे बढ़िया परिभाषा है। इसमें पिछले बजटों की तुलना में गैर-जरूरी खर्चों की झलक कम है, इनमें सबसे उल्लेखनीय है महामारी की वजह से थमे आर्थिकी के पहिए को पुनः गति देने में पूंजीगत व्यय में 35.4 प्रतिशत का इफाजा करना। इस प्रक्रिया में हालांकि कई ऐसे क्षेत्र छूट गए, जिनको अधिक राजनीतिक संवेदनशीलता और विशेष सहायता की दरकार है। एकमेव दृष्टिकोण रखकर किए गए नए बजटीय प्रस्तावों के पीछे पिछले कुछ महीनों से जोर-शोर से चल रही वह मांग है कि सरकार अर्थव्यवस्था और रोजगार के मौके पुनर्जीवित करने हेतु और ज्यादा आवंटन करे। वर्ष 2022-23 के लिए पूंजीगत व्यय को 5.54 लाख करोड़ से बढ़ाकर 7.5 लाख करोड़ किया गया है जो कि सकल घरेलू उत्पाद का 2.9 प्रतिशत है। आगामी वर्ष के लिए वित्तीय घाटा 6.9 फीसदी से कम करते हुए 6.4 प्रतिशत रखने का लक्ष्य है। एक दीर्घ-कालीन महत्वाकांक्षी योजना के तहत अगले पांच वर्षों में 60 लाख नौकरियां पैदा करने की बात कही गई है। पुनः, नौकरियों को लेकर दीर्घकालीन योजना पर ध्यान केंद्रित रखना, ऐसे वक्त पर हो रहा है जब रोजगार संकट को सुलझाने में सरकार की विफलता की आलोचना चहुं ओर पहले से हो रही है। लेकिन निकट काल और उन क्षेत्रों के लिए, जिन्हें महामारी की वजह से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है, उनके लिए बजट में बहुत कम है। जहां बुनियादी ढांचा विकास आवंटन राशि में की गई नाटकीय वृद्धि स्वागतयोग्य है वहीं बुरी तरह पस्त पड़े सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों की तरफ यथेष्ट ध्यान नहीं दिया गया। होटल व्यवसाय की सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाइयों के लिए आपातकालीन उधार गारंटी योजना राशि में 50,000 करोड़ की वृद्धि जरूर एक सकारात्मक कदम है। लेकिन यह उस क्षेत्र के लिए नाकाफी है जो हाल ही में पुनः गति पकड़ने वाली औपचारिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा नहीं है। इस बजट की एक अन्य कमजोरी यह है कि अर्थव्यवस्था में इतनी बड़ी मात्रा में निवेश करने से मुद्रा-स्फीति पर पड़ने वाले दबावों की ओर एकतरफा रवैया अपनाया गया है। दूसरी असफलता है बाहरी अवयवों के प्रभाव को ध्यान में न रखना, मसलन, बढ़ती तेल कीमतें और उनका प्रभाव खाता-घाटे पर पड़ना। उम्मीद यह थी कि समाज के सबसे निचले पायदान के नागरिक- शहरी हों अथवा ग्रामीण- उन्हें किसी न किसी रूप में सीधी राहत मिलेगी, खासकर कुछ राज्यों में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर। जबकि कोई इंकार नहीं कर सकता कि गरीबों में भी अत्यंत दरिद्र वर्ग को फौरी मदद की जरूरत है। मौजूदा सामाजिक भलाई योजनाएं, जैसे कि मुफ्त भोजन और प्रधानमंत्री किसान योजना श्लाघा योग्य हैं, किंतु वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को मालूम होना चाहिए था कि इस अनौपचारिक क्षेत्र के लिए और ज्यादा करने की जरूरत है। रोचक यह कि ग्रामीण रोजगार योजनाओं के अंतर्गत राशि में वर्ष 2022-23 बजट में कमी की गई है। मनरेगा योजना में आवंटन 98000 करोड़ से घटाकर 73000 करोड़ रुपये कर दिया गया है। शायद यह कयास लगाकर कि महामारी का प्रकोप घटने से प्रवासी मजदूर पुनः शहरों का रुख करेंगे, जिससे गांवों में रोजगार मांग पर दबाव कम होगा। लेकिन हाल-फिलहाल लग रहा है कि महामारी के दौरान ऐसी योजनाओं के तहत रोजगार की मांग के उछाल में कोई कमी नहीं हो रही है। बजट के सकारात्मक पक्ष में, अर्थव्यवस्था के डिजीटलीकरण के लिए अधिक आवंटन होने से इसकी बढ़ोतरी के लिए जरूरी खाद मिलेगी। बड़ी खबर है डिजीटल रुपये का आगाज होना और साथ ही तमाम आभासीय डिजीटल सरमाया की खरीदो-फरोख्त के लिए एक तरह से क्रिप्टो-करेंसी को मान्यता देते हुए इसके जरिए तमाम लेन-देन पर टैक्स लगाना। चूंकि क्रिप्टो करंसी व्यापार की प्रकृति ज्यादातर अनुमान आधारित है, इसलिए 30 फीसदी कर लगाना सही निर्णय है। इसके अलावा आय स्रोत पर 1 फीसदी कर लागू करना यह बताता है कि इस किस्म का लेन-देन अब औपचारिक वित्तीय क्षेत्र का अंग है, जो कि मौजूदा समय की मांग भी है। क्रिप्टो करंसी पर प्रतिबंध नहीं लगाया गया है क्योंकि कोई नहीं नकार सकता कि अब यह वैश्विक वित्तीय व्यवस्था का अंग बन चुकी है। अन्य कुछ नए कदम वास्तविक धरातल पर मददगार होंगे, इनमें भुगतान प्लेटफार्म को बढ़ावा देने को डिजीटल बैंकिंग शुरुआत एक है। देखने में आया है कि डिजीटलीकरण में बढ़ोतरी होना बैंकों के आम कामकाज के भौतिक तौर-तरीकों की समझ न होने से समाज के जिस तबके को दिक्कत होती थी, उनके लिए फायदेमंद है। जहां तक सार्वजनिक क्षेत्र के विनिवेश की बात है, अब लग रहा है कि इसको कुछ धीमा किया गया है, जबकि पिछले बजटों में संसाधन जुटाने को इस उपाय को मुख्य तरजीह दी गई थी। अगले वित्तवर्ष के लिए विनिवेश लक्ष्य 2021-22 के 1.75 लाख करोड़ की बनिस्बत 65000 करोड़ रखा गया है। यह इसलिए भी क्योंकि पिछले विनिवेश लक्ष्यों की प्राप्ति आशातीत न होने से इस मर्तबा अपेक्षा में कमी की गई है। हालांकि पिछले बजट में दो बैंकों समेत सार्वजनिक क्षेत्र का निजीकरण करने की पूरी योजना का खाका विस्तार से बताया गया था पर एयर इंडिया बिकना पहला बड़ा परिणाम रहा। यह साफ है कि विनिवेश की चाल बहुत मंथर रही है। पिछले बजट में पूंजी जुटाने की रूप रेखाएं काफी तफ्सील से बताई गई थीं, इस बार वैसा कोई जिक्र नहीं है। जमीनी हकीकत यह है कि विनिवेश आशा के अनुरूप परिणाम देने में विफल रहा। वेतनभोगी मध्यम वर्ग का नए बजट से मायूस होना स्वाभाविक है क्योंकि हमेशा की तरह आयकर पर छूट मिलने के कयास इस बार भी थे। किंतु राहत के रूप में मिला तो केवल प्रक्रिया में सुधार, जिसके अंतर्गत कर-आकलन करने में त्रुटि की भूल-सुधार अगले दो वित्तीय सालों के अंदर करने की इजाजत दी गई है जबकि परेशानी झेल रहा मध्यम वर्ग भी कुछ राहतों का पात्र है। आगामी चुनाव-पूर्व जनता के अनेक वर्ग मुफ्त की सौगातों की आस लगाए बैठे थे, उन्हें निराशा हुई। इसकी बजाय मोदी सरकार ने वित्तीय स्वास्थ्य के लिहाज से सही बजट पेश किया है, जिसकी नजर मुख्यतः सार्वजनिक निवेश में बढ़ोतरी करके महामारी की मार से प्रभावित हुई अर्थव्यवस्था को खड़ा कर पुनः पटरी पर लाने पर टिकी है। कई अर्थशास्त्रियों ने इस बजट को प्रगतिशील और दूरगामी बताया है जो बुनियादी ढांचे का विकास सुनिश्चित करना चाहता है और परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था में सुधार होने से आज बेहतर जरूरी रोजगार मौकों में बढ़ोतरी होगा। यह बजट आर्थिक पुनरुत्थान हेतु केवल मध्य और दीर्घकालीन उपायों पर ध्यान दे रहा है जबकि अनेकानेक क्षेत्रों की फौरी जरूरतों को नजरअंदाज़ कर रहा है। बेशक यह औपचारिक क्षेत्र के लिए भी सकारात्मक है, तभी तो घोषणा के फौरन बाद स्टॉक मार्केट में उछाल आया है। परंतु बजट की गुणा-भाग में अनौपचारिक क्षेत्र और समाज के निचले तबके के हितों को इस बार किनारे कर दिया गया है।

लेखिका आर्थिक मामलों की वरिष्ठ पत्रकार हैं।

महिला अधिकारों के संघर्ष को नयी ताकत

रमेश ठाकुर

पाक सुप्रीम कोर्ट में पहली मर्तबा कोई महिला जज नियुक्त हुई हैं। उनकी नियुक्ति किसी की दया या सिफारिश पर नहीं, अपनी मेहनत और काबिलियत के बूते उन्होंने यह मुकाम पाया है। बुर्के-पर्दे में अपना समूचा जीवन जीने वाली पाकिस्तानी महिलाओं को जस्टिस आयशा मलिक की ताजपोशी ने उम्मीदों का नया संबल दिया है, जिसकी राह वहां की आधी आबादी आजादी से ताक रही थीं। ऐसी उम्मीद की खुशी पहली बार उनके हिस्से आई है। महिलाओं को मुकम्मल हक-हकूक दिलवाने में जस्टिस आयशा मलिक की पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट में पहली महिला जज के रूप में नियुक्ति किसी सपने जैसी है। पूरा जगत वाकिफ है कि वहां की महिलाओं के अधिकारों को कैसे सरेआम रौंदा जाता है। घर से बाहर निकलने की भी मनाही रही है, जो कार्य पुरुष करते हों, उसे कोई महिला करे, ये वहां के मुल्ला-मौलवियों को कभी नहीं भाया। किसी महिला ने हिम्मत दिखाई भी तो उसके खिलाफ फतवा या रूढ़िवादी कठोर बंदिशें लगा दी जाती रही हैं। लेकिन आयशा शायद उस पुरानी प्रथा को बदल पाएंगी। उनकी नियुक्ति महिलाओं को संबल देंगी। पाकिस्तान का सर्वोच्च न्यायालय इस्लामी गणराज्य की सर्वोच्च अदालत जरूर रही है, पर न्यायिक व्यवस्था में हमेशा से भेदभाव हुआ। शरियत कानून को मान्यता ज्यादा दी गई, जो सदैव पाकिस्तानी न्यायिक क्रम का शिखर बिन्दु रहा है। वहां की आधी आबादी से संबंध रखने वाली बदहाली की दर्दनाक तस्वीरें जब दिमाग में उमड़ती हैं तो लगता है कि कट्टर इस्लामिक मुल्क में एक महिला का सुप्रीम कोर्ट में जज बन जाना अपने आप में करिश्मा है। जज बनने से पहले भी आयशा मलिक अपने काम को लेकर चर्चा में रहीं। अपने स्वाभिमान से उन्होंने कभी समझौता नहीं किया। उनका नाम आज से दस-पंद्रह साल पहले तब सामने आया था जब उन्होंने भारतीय कैदी सरबजीत सिंह के पक्ष में एक बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि उनका केस न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे बढ़े, राजनीति नहीं होनी चाहिए। उनके बयान पर तब पाकिस्तान में बड़ा बवाल हुआ था। विरोधियों ने उन्हें भारत जाने तक को कह दिया था। बहरहाल, जस्टिस आयशा मलिक अपनी मेहनत, लगन और ईमानदारी से सुप्रीम कोर्ट में जज बनी हैं। हालांकि छुटपुट विरोध अब भी हो रहा है। फिलहाल उनके नाम की मंजूरी हो चुकी है। पद ग्रहण कर लिया है। महिलाओं से जुड़े केसों को वह मुख्य रूप से देखा करेंगी। उनकी ताजपोशी से अब वहां की निचली अदालतों और हाईकोर्ट में भी महिला जजों की संख्या में इजाफा होगा। भारत के लिहाज से भी आयशा की नियुक्ति अहम है। शायद इसके बाद उनकी सोच में कुछ बदलाव आए। पाकिस्तान की संसदीय समिति ने भी आयशा की प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनसे महिलाओं को बहुत उम्मीदें हैं, उन्हें स्वतंत्रता से काम करने दिया जाएगा। उनके किसी फैसले पर किसी को कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। आयशा के जीवन संघर्ष पर प्रकाश डालें तो पता चलता है कि वह किसी बड़े घराने से ताल्लुक नहीं रखतीं। कठिन परिस्थितियों में एक साधारण परिवार से निकली हैं। आयशा कराची के एक छोटे गांव 'अब्बू हरदा' में तीन जून, 1966 को जन्मी थीं। आम लोगों की तरह गांव के ही सरकारी स्कूल से शुरुआती शिक्षा ग्रहण करने के बाद कराची के गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स से स्नातक किया। लॉ की पढ़ाई उन्होंने लाहौर के कॉलेज ऑफ लॉ से की। उसके बाद उन्होंने अमेरिका में मेसाच्यूसेट्स के हॉवर्ड स्कूल ऑफ लॉ से भी शिक्षा प्राप्त की। खुद छोटे बच्चों को ट्यूशन देती थीं, जिससे अपनी पढ़ाई का खर्च निकाला करती थीं। पढ़ने में अच्छी थीं, तभी उन्हें स्कॉलरशिप मिली। आयशा को 1998-1999 में 'लंदन एच गैमोन फेलो' के लिए भी चुना गया। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह अमेरिका में भी अपना करिअर शुरू कर सकती थीं, लेकिन उनको अपने यहां महिलाओं की बदहाली को दूर करना था। कुछ अलग करने का जज्बा लेकर ही वह सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई हैं। आयशा अमेरिका से 2003 में अपने मुल्क लौट आयी थीं। वहां से आने के बाद आयशा मलिक ने कराची की निचली अदालत में वकालत शुरू की। फखरूद्दीन इब्राहिम एंड कंपनी से जुड़ीं। बीते एक दशक से उन्होंने खूब नाम कमाया और कई मशहूर कानूनी फर्मों के साथ जुड़कर कई नामी केसों को सुलझवाया। निश्चित रूप से आयशा की नियुक्ति पाकिस्तान में नया इतिहास लिखेगी। वहां महिलाओं के हालात कैसे हैं, दुनिया में किसी से छिपे नहीं हैं। उम्मीद ऐसी भी की जानी चाहिए कि आयशा के जरिए दुनिया का नजरिया पाकिस्तान के प्रति बदले।

आज के कार्टुन

ईश्वर विश्वास

श्रीराम शर्मा आचार्य/ चोट खाया हुआ सांप आक्रमणकारी पर ऐसी फूंफकार मारकर दौड़ता है कि उसके होश छूट जाते हैं। सांसारिक व्यथाओं से विक्षुब्ध मनुष्य की भी ऐसी ही स्थिति होती है। जब मनुष्य को पीड़ाएं चारों ओर से घेर लेती हैं, कोई सहारा नहीं सूझता तो वह निष्ठापूर्वक अपने परमेर को पुकारता है। हार खाए हुए मनुष्य की कातर पुकार से परमात्मा का आसन हिल जाता है। उन्हें सारी व्यवस्था छोड़कर भक्त की सेवा के लिए भागना पड़ता है। ऐसा समय आता है जब मनुष्य संसार को भूलकर कुछ क्षण के लिए ऐसे दिव्य लोक में पहुंचता है, जहां उसे असीम सहानुभूति और शात शांति मिलती है। अंतःकरण की समस्त वासनाएं विलीन हो जाती हैं, इंद्रियों की चेष्टाएं शांत हो जाती हैं। हिरण्यकश्यप की हठधर्मिता से दुःखी बालक प्रह्लाद ने उसे बार-बार पुकारा, उसका नारायण बार-बार उसकी मदद के लिए दौड़ा। मनुष्य बुलाए और वह न आए ऐसा कभी हुआ नहीं। द्रौपदी जान गई थी कि सभा में उसे बचाने वाला कोई नहीं है। दुःशासन चीर खींचता है। लाज न चली जाए, इस भय से निर्बल नारी दीनानाथ को पुकारती है। भगवान श्रीकृष्ण आते हैं और उसका चीर को बढ़ाते हुए चले जाते हैं। देवासुर संग्राम की कथाओं में ऐसे अनेक वर्णन हैं। बहुत से लोग हैं, जो ईश्वर और उसके अस्तित्व को मानने से इनकार करते हैं, पर यदि भली भांति देखा जाए तो मूढ़ताग्रस्त व्यक्ति ही ऐसा कर सकते हैं। एक बहुत बड़ा आश्चर्य हमारे सामने बिखरा पड़ा है। उसे देखकर भी जिसका विवेक जाग्रत न हो, कौतूहल पैदा न हो, उसे और कहा भी क्या जाएगा? पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा कर रही है, यह दृश्य आप किसी अन्य ग्रह में बैठे देख रहे होते, तो समझते मनुष्य का अभिमान कितना छोटा है। विशाल ब्रह्मण्ड की तुलना में वह चींटी से भी हजार गुना छोटा लगेगा। अनंत आकाश और उस पर निरंतर होती रहती ग्रह-नक्षत्रों की हलचल, सूर्य, चन्द्रमा, सागर, पर्वत, नदियां, वृक्ष, वनस्पति, मनुष्य आदि के स्वयं के बदलते हुए क्षण क्या यह सब मनुष्य का विवेक जाग्रत करने के लिए काफी नहीं है? परमात्मा का अस्तित्व मानने के लिए क्या इतने से संतोष नहीं होता? विचारवान व्यक्ति कभी ऐसा नहीं सोचेगा। आदिकाल से लेकर अब तक जितने भी संत, महापुरुष हुए हैं और जिन्होंने भी आत्म कल्याण या लोक कल्याण की दिशा में कदम उठाया है, उन सबने परमात्मा-ईश्वर का आश्रय मुख्य रूप से लिया है।

सू-दोकू नवताल -2039

9			5	3		8		
2						9	6	
	7		6		1		2	
3		8						
4	5	7		8		3	1	2
						7		9
	8		2		5		3	
	2	4						8
		3		6	9			4

सू-दोकू 2038 का हल

3	5	9	6	1	2	8	7	4
2	6	8	9	7	4	1	3	5
7	4	1	3	8	5	2	6	9
1	2	6	5	3	8	9	4	7
8	9	3	4	2	7	5	1	6
5	7	4	1	6	9	3	8	2
4	3	2	8	5	6	7	9	1
9	8	7	2	4	1	6	5	3
6	1	5	7	9	3	4	2	8

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली-2039

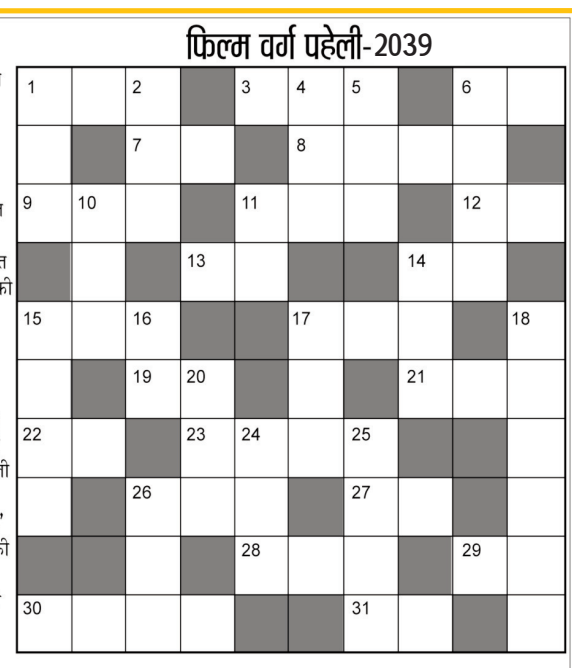

बायें से दायें:-

1. जॉय मुखर्जी, नंदा की 'मुझे इश्क है तुम्हीं से' गीत वाली फिल्म-3
3. 'मेरे टूटे हुए दिल से कोई तो' गीत वाली राजकपूर, नूतन की फिल्म-3
6. आमिर, फैजल, ट्विंकल की 'तुझे रब ने बनाया है' गीत वाली फिल्म-2
7. अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-2
8. 'तसवीर बनाता हूँ' गीतवाली फिल्म-4
9. 'जब लिया हाथ' गीत वाली राजेंद्र कुमार, गीता बाली की फिल्म-3
11. राजकुमार, प्रिया की 'ये पर्वतों के दायरे ये शाम' गीत वाली फिल्म-3
12. 'दिल में जिगर में' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-2
13. विकास भल्ला, सुमीत, की 'कोई दिल ना किसी' गीत वाली फिल्म-2
14. 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-2
15. विश्वजीत, माला सिन्हा की फिल्म-3
17. राजकुमार, मीना की 'चलते चलते यूंही कोई मिल' गीत वाली फिल्म-3
19. जैकी श्रॉफ, रति की फिल्म-2
21. ऋषिकपूर, अरबाज, जूही की 'ये प्यार यार क्या' गीत वाली फिल्म-3
22. 'ना सतरा से ऊपर ना' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-2
23. 'दुपट्टे का पल्लू' गीतवाली फिल्म-4
26. फिल्म 'दोस्ताना' में अमिताभ की नायिका ?-3
27. अभिषेक, अंतरा माली की 'इश्क दा तड़का' गीत वाली फिल्म-2
28. 'मेरे दिल में रहो या जिगर' गीत वाली अष्मित, मीरा की फिल्म-3
29. गुरूदत्त, वहीदा रहमान की 'जाने क्या तूने कही' गीत वाली फिल्म-2
30. 'देर है अंधेर नही' गीत वाली शत्रुघ्न, राजकपूर, योगिता की फिल्म-2,2
31. फिल्म 'सलाखें' में नायक ?-2

ऊपर से नीचेः-

1. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली शशि शेखर सुमन, रेखा, नीना की फिल्म-3
2. मिथुन, जुगल, सोनाली की 'तेरी चाहत में दिल' गीत वाली फिल्म-1,2
4. 'सीली हवा छू गई सीला' गीत वाली नसीर, शबाना आजमी की फिल्म-3
5. अमिताभ, अमजद खान, नीतू की 'छूकर मेरे मन' गीत वाली फिल्म-3
6. 'बोल बेबी बोल रॉक' गीत वाली अनिल कपूर, मीनाक्षी की फिल्म-2,2
10. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'राजा ना जा ना जा' गीत वाली फिल्म-3
11. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, जायेद, अमीषा की फिल्म-2
14. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'मैं लैला का मजनूं' गीत वाली फिल्म-3
15. 'कोरा कागज था मन' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-4
16. संजय कपूर, माधूरी की 'फूल मांगू ना बहार माँगूं' गीत वाली फिल्म-2
17. 'दिले बेताब को सीने से' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वहीदा की फिल्म-3
18. अमिताभ, अक्षय, जॉन, रिमी की 'फलक देखूं' गीत वाली फिल्म-3,3
20. फिल्म 'देवी' में नायिका कौन थी-3
24. 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म-3
25. नसीर, अष्मित, उर्मिला की फिल्म-4
26. 'शहर शहर डगर डगर' गीत वाली जैकी, संजय, सोनम की फिल्म-2,1

फिल्म वर्ग पहेली-2038

य	हू	दी		अ	नु	रो	ध		क्रो
ह		वा	स्त	व		हि		आँ	धी
दे	व	र		ता	क	त		च	
श	र्त		पा	र	स		स	ल	मा
	मा		पी		क	स	म		ला
जा	न	म		अ		गा	य	व	
बे		शा	र	दा		ई		ना	च
म	ह	ल		ल	की		जो	र	
न			अं	त		जं		स	त्या
	वा	रि	श		जु	ग	नू		ग

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पेटीएम का घाटा बढ़ा, लेकिन राजस्व उछाल

मुंबई । फिनटेक प्रमुख पेटीएम मिटेड ने तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए हैं।31 दिसंबर, 2021 में समाप्त हुई तीसरी तिमाही में समेकित शुद्ध घाटा बढ़कर 778 करोड़ रुपये हुआ है। कंपनी को सितंबर तिमाही में 482 करोड़ और एक साल पहले की अवधि में 532 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था।वहीं कंपनी का राजस्व, समीक्षाधीन तिमाही के लिए 89 फीसदी बढ़कर 1,456 करोड़ रुपये हो गया। वही पिछले वर्ष की अवधि में यह राजस्व 772 करोड़ रुपये था। पेटीएम का स्टॉक समाप्त हुए कारोबारी सप्ताह में 0.89 फीसदी बढ़कर 952.90 रुपये पर बंद हुआ। पेटीएम के अनुसार, ऑनलाइन और ऑफलाइन मर्चेंट बेस में इजाफा, यूजर्स में वृद्धि और त्यौहारी सीजन के कारण तीसरी तिमाही के दौरान सकल व्यापारिक मूल्य सालाना आधार पर 123 फीसदी बढ़कर 2.5 लाख करोड़ रुपये हुआ।पेटीएम के शेयरों में लिस्टिंग के दिन से लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।जनवरी के अंतिम दिनों में अपने सबसे नीचे 915 रुपये के स्तर पर आने के बाद स्टॉक में मामूली सुधार देखने को मिल रहा है।वर्तमान में स्टॉक 952.90 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

आईआईटी हैदराबाद ने सुजुकी मोटर से किया समझौता

नई दिल्ली । भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) हैदराबाद ने नवाचार केंद्र शुरू करने के लिए देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की मूल कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन (एसएमसी) के साथ तीन वर्ष का समझौता किया है। आईआईटी हैदराबाद ने बताया कि इस समझौते का उद्देश्य भारत एवं जापान के लिए नवाचार को बढ़ावा देना है। इस समझौते के तहत इन दोनों संगठनों को ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक मंच मिलेगा। सुजुकी नवाचार केंद्र (एसआईसी) का संचालन उद्योग, शिक्षा जगत एवं स्टार्टअप के बीच नवाचार के एक खुले मंच के रूप में होगा। यह केंद्र कौशल विकास एवं भारत और जापान के बीच मानव संसाधन के आदान-प्रदान में भी सहयोग करेगा।

आईएलएंडएफएस ने अपनी कंपनी की 35 प्रतिशत हिस्सेदारी बेची

मुंबई । कर्ज संकट का सामना कर रही आईएलएंडएफएस ने कहा कि उसने वरोरा चंद्रपुर बल्लारपुर टोल रोड लिमिटेड (डब्ल्यूसीबीटीआरएल) में अपनी 35 प्रतिशत हिस्सेदारी को अपने संयुक्त उद्यम साझेदार विश्वराज इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (वीआईएल) द्वारा बिक्री पूरी कर ली है। इसके साथ कंपनी ने 324 करोड़ रुपए के कर्ज का निपटान कर लिया है। कंपनी के मुताबिक, इस बिक्री सौदे के बाद डब्ल्यूसीबीटीआरएल पर वीआईएल का पूर्ण स्वामित्व स्थापित हो गया है। सौदे के तहत वीआईएल ने डब्ल्यूसीबीटीआरएल पर 306 करोड़ रुपए के समूचे बाह्य ऋण को अपने ऊपर ले लिया है। डब्ल्यूसीबीटीआरएल के प्रमुख कर्जदाताओं बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और आईआईएफसीएल ने भी इस कंपनी में आईएलएंडएफएस की हिस्सेदारी बिक्री और स्वामित्व परिवर्तन को मंजूरी दे दी है। इस हिस्सेदारी बिक्री के बाद आईएलएंडएफएस समूह पर 99,000 करोड़ रुपए के कुल बकाए में से 324 करोड़ रुपए की कमी आ जाएगी।

टाटा मोटर्स ने भी रखा सीएनजी सेगमेंट में कदम

-सीएनजी के साथ आ रही नेक्सन और मारुति

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स ने भी हाल ही में सीएनजी सेगमेंट में कदम रख दिया है और टियागो और टिगोर को कंपनी ने फैक्ट्री फिटेड सीएनजी किट के साथ लॉन्च किया है। टियागो और टिगोर के बाद टाटा मोटर्स अब अपनी सबसे पॉप्युलर एसयूवी टाटा नेक्सॉन को भी सीएनजी किट के साथ बाजार में उतारने की तैयारी कर रही है। टाटा नेक्सॉन सीएनजी की टेस्टिंग भी शुरू हो चुकी है और इसे कई बार स्पॉट किया गया है। इस बारे में कंपनी की ओर से किसी तय तारीख की घोषणा नहीं की गई है मगर माना जा रहा है कि कंपनी इसे इसी साल फेस्टिव सीजन में लॉन्च कर सकती है। इस कार के पेट्रोल हाइब्रिड वर्जन पर भी कंपनी काम कर रही है। मारुति सुजुकी का वर्तमान सीएनजी सेगमेंट पर दबदबा है। टाटा की एंट्री से पहले सिर्फ मारुति और ह्यूंदै ही फैक्ट्री फिटेड सीएनजी के साथ अपने मॉडल्स बेचती थीं। अब इस सेगमेंट में टाटा के आने के बाद कॉम्पटिशन बढ़ गया है। इसीलिए मारुति अब वितारा ब्रेजा सीएनजी लाने की तैयारी कर रही है। इसे इसी साल की दूसरी तिमाही में लॉन्च किया जा सकता है। बता दें कि भारत में ऑटोमोबाइल कंपनियां अब डीजल-पेट्रोल के अलावा ईंधन के तौर पर अन्य विकल्पों पर काफी निवेश कर रही हैं जैसे कि सीएनजी और इलेक्ट्रिक।

इसका सबसे बड़ा कारण है कि डीजल और पेट्रोल जैसे परंपरागत ईंधन की कीमतें अब ऑल टाइम हाई लेवल पर पहुंच गई हैं। ग्राहकों का रुझान भी अब दूसरे विकल्पों की ओर धीरे धीरे बढ़ रहा है।

क्रूड ऑयल में तेजी, पेट्रोल और डीजल में कोई बदलाव नहीं

मुंबई । वैश्विक बाजार में क्रूड ऑयल की कीमतों में जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 92 डॉलर से बढ़कर 93.57 डॉलर प्रतिबैरल पहुंच गई है। डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल में तो जबरदस्त इजाफा हुआ है। एक दिन से कम समय में ये 91 डॉलर से 93.03 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। हालों कि सरकारी तेल कंपनियों ने 4 नवंबर के बाद से अब तक पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। अभी ये राहत आगे भी जारी रह सकती है। देश में मार्च के पहले हफ्ते तक मतदान होना है, उम्मीद है कि तब तक पेट्रोल- डीजल में कोई भारी वृद्धि नहीं होगी। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 95.41 रुपए प्रति लीटर है जबकि डीजल की कीमत 86.67 रुपए प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 109.98 रुपए प्रति लीटर और डीजल 94.14 रुपए प्रति लीटर पर खरीदा जा सकता है। चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 101.40 रुपए है। गुरुवार को एक लीटर डीजल की कीमत 91.43 रुपए प्रति लीटर थी। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.67 रुपए प्रति लीटर है जबकि डीजल की कीमत 101.56 रुपए प्रति लीटर है। भोपाल में जहां पेट्रोल 107.23 रुपए प्रति लीटर पर खरीदा जा सकता है, जिसमें 6.27 रुपए की कटौती की गई है, वहीं डीजल की कीमत 90.87 रुपए प्रति लीटर है।

कारों के शौकीन मुकेश अंबानी के जियो गैरेज में आई नई सबसे महंगी रोल्स रॉयल क्यीलिनान कार

नई दिल्ली ।

दुनिया के बड़े रईसों में शुमार रिलायंस इंडस्ट्री के मुखिया मुकेश अंबानी के जिओ गैरेज की शोभा बढ़ाने अब एक और नई कार की एंट्री हुई है। कुछ दिनों पहले आई कैडिलैक इस्किलेड के बाद अब रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के चेयरमैन ने रोल्स रॉयल क्यीलिनान का कस्टमाइज्ड मॉडल मंगवाया है। अंबानी के गैरेज में हुई इस नई एंट्री को भारत की अब तक की सबसे महंगी कार माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मुकेश अंबानी ने अल्ट्रा लग्जरी हैचबैक रोल्स रॉयल क्यीलिनान को अपनी कारों के बेड़े में शामिल किया है। इसी सप्ताह उन्होंने करोड़ों की कीमत वाली एसयूवी कैडिलैक इस्किलेड को इम्पोर्ट कराया। यह वो कार है, जिसका इस्तेमाल अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए भी किया जाता है। अब उनके बेड़े में रोल्स रॉयल क्यीलिनान पेट्रोल मॉडल आई है, जिसकी कीमत 13.14 करोड़ रुपए है। आरटीओ के अधिकारी बता रहे हैं कि यह संभवत- भारत की अब तक की सबसे कीमती कार है। रिपोर्ट में आरटीओ के अधिकारियों के हवाले से बताया गया है कि यह कार 31 जनवरी को साउथ मुंबई के तारदेव रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस में रजिस्टर हुई है। जब यह कार भारत में 2018 में लॉन्च हुई थी, तब इसकी अधिकतम कीमत 6.95 करोड़ रुपये थी। इंडस्ट्री के जानकारों की राय है कि कंपनी इस कार में कस्टमाइज्ड मोडिफिकेशन के ऑप्शन्स देती है। मुकेश अंबानी ने अपनी कार के लिए कुछ मोडिफिकेशन कराए होंगे, जिसके कारण इसकी कीमत 13 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के द्वारा रजिस्टर कराई गई यह कार टस्कन सन कलर की है। इसमें 12 सिलेंडर हैं और इसका वजन 2.5 टन से ज्यादा है। कंपनी ने अपने चेयरमैन की नई कार के लिए वीआईपी नंबर पर 12 लाख रुपए खर्च किया है। कंपनी को ऐसा नंबर चाहिए था, जिसके लास्ट में 001 हो। आमतौर पर वीआईपी नंबर के लिए 4 लाख रुपये लगते हैं, लेकिन अभी किसी भी सीरिज में 001 वाला नंबर उपलब्ध नहीं था। अंबानी के लिए आरटीओ को नई सीरिज बनानी पड़ी, इसी कारण रिलायंस इंडस्ट्रीज को 3 गुना पैसे देने पड़े। इस नई कार का रजिस्ट्रेशन 30 जनवरी 2037 तक वैलिड है। इसके लिए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने 20 लाख रुपये टैक्स का भुगतान किया है। इसके अलावा रोड सेफ्टी टैक्स के लिए भी 40 हजार रुपये अलग से जमा किए गए हैं। यह रॉल्स रॉइस की ऐसी हैचबैक कार है, जो खराब सड़कों पर भी फर्राटा भर सकती है। अंबानी के गैरेज में यह रोल्स रॉयल क्यीलिनान मॉडल की तीसरी कार है। मुकेश अंबानी के पास पहले से ही कई लग्जरी कारें मौजूद हैं। इन कारों के लिए उनके बहुमंजिला आवास में खास गैरेज बनाया गया है, जिसे जिओ गैरेज नाम दिया गया है। इस गैरेज में लैंड रोवर डिफेंडर 110, लेक्सस एलएक्स 570, बेंटली बेंटट्याज्ञा डब्ल्यू12, बेंटली बेंटट्याज्ञा वी8, रोल्स रॉयल क्यीलिनान, लैंड रोवर रेंज रोवर, लेंबोगिनी यूरस, मर्सिडिज बैंज-एएमजी जी63, लैंड रोवर डिस्कवरी जैसी लग्जरी कारें पहले से हैं। इनके अलावा उनके पास टेस्ला की 2 कारें भी हैं। मुकेश अंबानी उन चुनिंदा भारतीय लोगों में हैं, जिनके पास टेस्ला की कार है।

शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा :

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह दो फीसदी से अे धिक तेजी दर्ज की गई। साप्ताे हिक आधार पर सेंसेक्स में 1,444.59 अंक (2.52 फीसदी) और निफ्टी 414.35 अंक (2.42 फीसदी) बढ़ोतरी देखी गई। बाजार के जानकारों के मुताे बिक पूरे सप्ताह इक्विटी बाजार अत्यधिक अस्थिर रहा। अमेरिका में ब्याज दर बढ़ने को लेकर चिंता, पूर्वी यूरोप में राजनीतिक और सैन्य तनाव, महामारी के नए स्वरूप के प्रतिकूल प्रभाव के चलते निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। बीते सप्ताह भर के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 712.61 अंक बढ़कर 57,912.84 पर खुला और 813.94 अंक मजबूत होकर 58,014.17 पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 216.95 अंक की तेजी के साथ 17,318.90 पर खुला और 237.90 अंक मजबूत होकर 17,339.85 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 603.39 अंक बढ़कर 58,617.56 पर खुला और 848.40 अंक बढ़कर 58,862.57 पर बंद हुआ। निफ्टी 159.25 अंक की तेजी के साथ 17,499.10 पर खुला और 237 अंक बढ़कर 17,576.85 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 416.56 अंक बढ़कर 59,279.13 पर खुला और 695.76 अंक बढ़कर 59,558.33 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 117.95 अंक की तेजी के साथ 17,694.80 पर खुला और 203.15 अंक की बढ़त के साथ 17,780.00 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 116.47 अंक की गिरावट लेकर 59,441.86 पर खुला और 770.31 अंक टूटकर 58,788.02 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 33.75 अंक फिसल कर 17,746.25 पर खुला और 219.80 अंक की गिरावट के साथ 17,560.20 अंक पर बंद हुआ। वहीं शुक्रवार को सेंसेक्स 140 अंक की गिरावट के साथ 58,647 पर खुला और 143.20 अंक की गिरावट के साथ 58,644.82 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी सूचकांक भी 30 अंक फिसलकर 17,530 पर खुला और 43.90 अंक टूटकर 17,516.30 पर बंद हुआ।

सेबी ने एएमसी को लेखा मानकों का पालन करने को कहा

नई दिल्ली । बाजार नियामक सेबी ने परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों (एएमसी) के लिए भारतीय अकाउंटिंग मानकों के अनुपालन के बारे में दिशानिर्देश जारी किए। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड नियमों में संशोधन के बाद ये दिशानिर्देश जारी किए हैं। बदले गए म्यूचुअल फंड नियमों के तहत एएमसी को म्यूचुअल फंड योजनाओं के वित्तीय विवरणों एवं खातों को भारतीय अकाउंटिंग मानकों के हिसाब से तैयार करना अनिवार्य किया गया है। नए नियम एक अप्रैल, 2023 से लागू किए जाने हैं। सेबी ने परिपत्र में जारी दिशानिर्देशों के तहत म्यूचुअल फंड योजनाओं को शुरुआती बहीखाता अकाउंटिंग मानकों के अनुरूप तैयार करना होगा। म्यूचुअल फंड नियमों के मुताबिक प्रति इकाई सांख्यिकी के लिए पिछले तीन वर्षों का खुलासा करना जरूरी है। इस संदर्भ में सेबी ने कहा कि म्यूचुअल फंड योजनाओं को पिछले वर्षों के प्रकाशित आंकड़े फिर से देना अनिवार्य नहीं किया जाएगा।

सात संस्थाओं पर 1.29 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली ।

प्रतिस्पर्धा आयोग ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की शाखाओं, कार्यालयों और एटीएम के लिए साइनेज की आपूर्ति से जुड़ी बोली की हेराफेरी में सात संस्थाओं व उनके नौ अधिकारियों पर 1.29 करोड़ का जुर्माना लगाया है। जुर्माने के अलावा सीसीआई ने उन्हें प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं से बचने का निर्देश दिया है। इन नौ अधिकारियों पर कुल 54000 रुपए का जुर्माना है। सीसीआई ने 2018 की शिकायत पर स्वत- संज्ञान लेते हुए यह जुर्माना लगाया है। आरोप था कि एसबीआई इन्फ्रा मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की मार्च 2018 में बोली में अनियमितता हुई थी। जिन सात कंपनियों पर जुर्माना लगा उनमें डायमंड डिस्पले सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, एजीएक्स रिटेल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, ओपल साइंस प्राइवेट लिमिटेड, अवेरी डेनिसन प्राइवेट लिमिटेड, अपरीश नियोन प्राइवेट लिमिटेड, मैक्रोमीडिया डिजिटल इमेजिंग प्राइवेट लिमिटेड और हिथ इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल है।

रेडमी नोट 11 सीरीज स्मार्ट फोन होगा 9 फरवरी को पेश

लीक हुए रेडमी स्मार्ट बेंड प्रो की कीमत और फीचर्स

नई दिल्ली ।

चाइनीज कंपनी शाओमी 9 फरवरी को रेडमी नोट 11 सीरीज स्मार्ट फोन को पेश करने जा रही है। कंपनी इसके लिए भारत में एक लॉन्च इवेंट करेगी। कंपनी रेडमी स्मार्ट बेंड प्रो को भी लॉन्च करने वाली है। इंडियन मार्केट में ऑफिशियल लॉन्च से कुछ दिन पहले फिटनेस ट्रैकर की कीमत डिटेल्स ऑनलाइन लीक हुई हैं। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रेडमी स्मार्ट बेंड प्रो की कीमत 5,999 हो सकती है। यह कीमत इसके रिटेल बॉक्स पर दी गई है। यानी कि प्रोडक्ट के लिए वास्तविक सेल प्राइस कम हो सकता है। वहीं, कुछ रिपोर्ट्स से पता चला है कि इसे भारत में करीब 2,999 रुपये में खरीदने के लिए उपलब्ध कराया जा सकता है।चाहे यह एक फिटनेस ट्रैकर है, लेकिन इसका डिजाइन इसे स्मार्टवॉच बनाता है। कंपनी का कहना है कि रेडमी स्मार्ट बेंड प्रो यह चेक कर सकता है कि वर्कआउट कब शुरू हुआ है और यह अपने यूजर द्वारा किए गए प्रयास को भी चेक कर सकता है।यह स्ट्रावा और एप्पल हेल्थ जैसे ऐप्स को सपोर्ट करता है। यह स्ट्रेस के लेवल को चेक कर सकता है और वुमेन हेल्थ से संबंधित फीचर्स भी प्रदान करता है। 24/7 हार्ट-रेट मॉनिटर, फिटनेस ट्रैकर स्लीप क्वालिटी ट्रैकिंग को भी सपोर्ट करता है। यह ब्लड ऑक्सीजन लेवल को भी चेक करता है, जिसे यूजर्स सोते हुए ऑटोमैटिकली भी सेट कर सकते हैं। डिवाइस को वाटर रेसिस्टेंट के लिए 5 एटीएम के लिए रेट किया गया है। बैटरी बैकअप की बात करें तो यह 14 दिनों तक नॉर्मल इस्तेमाल और पावर सेविंग मोड में 20 दिनों तक चल सकता है। फीचर्स और स्पेसिफिकेशन की बात करें तो रेडमी स्मार्ट बेंड प्रो में 1.47-इंच सुपर अमोलेड डिस्प्ले दी गई है, जिसका रेजोल्यूशन 194×368 पिक्सल और 264पीपीआई पिक्सल डेंसिटी है। यह डिवाइस ब्लैक कलर की बॉडी में है और बिल्ड मटेरियल में ग्लास फायबर रेनफोर्सड और 2.5 डी टेम्पर्ड ग्लास और पॉली कैप्रोलैक्टम का इस्तेमाल किया गया है। यह डिवाइस 50 से ज्यादा वॉच फेस को सपोर्ट करती है। इसमें 110 से ज्यादा एक्सरसाइज मोड समेत कई फीचर्स मिलते हैं, जिसमें रनिंग, साइकिलिंग, स्विमिंग और योग जैसी एक्टिविटी शामिल हैं।

आठ फरवरी को आएगा इनफीनिक्स जीरो 5जी

- यह है कंपनी का पहला 5जी स्मार्टफोन

नई दिल्ली।

भारत में इनफीनिक्स जीरो 5जी को 8 फरवरी को लॉन्च किया जाएगा। इनफीनिक्स जीरो 5जी कंपनी का पहला 5जी स्मार्टफोन है। यह 13 5जी बैंड के लिए सपोर्ट देगा। इनफीनिक्स ने पहले ही एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए टीज किया है कि यह फोन भारत में लॉन्च किया जाएगा। हालांकि, इसके लॉन्च की सटीक डेट का उल्लेख नहीं किया गया था। इस बीच, फोन के डिजाइन और ट्रिपल रियर कैमरे को इनफीनिक्स इंडिया के सीईओ अनीश कपूर ने टीज किया है। टिपस्टर अभिषेक यादव के एक ट्वीट के अनुसार, इनफीनिक्स जीरो 5जी भारत में 8 फरवरी को लॉन्च होगा। उन्होंने यह भी कहा है कि फोन मीडियाटेक डाइमेंसिटी 900 एसओसी पर काम करेगा। इसे एलपीडीडीआर5 रैम और यूएफएस 3.1 स्टोरेज के साथ पेयर किया जाएगा। उनका यह भी कहना है कि फोन 13 5जी बैंड को सपोर्ट करेगा। दावा किया जा रहा है कि फोन देश में ब्रांड का पहला 5जी स्मार्टफोन है। इस बीच, अनीश कपूर ने ट्विटर पर ऑरेंज कलर वाले एक फोन का भी टीजर जारी किया था। इसे ही इनफीनिक्स जीरो 5जी माना जा रहा है। यह टिपस्टर अभिषेक यादव द्वारा स्मार्टफोन के बारे में अपने पिछले ट्वीट में पोस्ट की गई इमेज जैसा है।फोन में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 900 एसओसी दिया जाएगा। साथ ही आर्म माली-जी68 एमसी4 जीपीयू भी दिया जा सकता है। इसमें 8जीबी तक रैम और 128जीबी ऑनबोर्ड स्टोरेज दी गई है। फोन में ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप हो सकता है जिसमें 40 मेगापिक्सल या 48 मेगापिक्सल का प्राइमरी सेंसर होने की उम्मीद है। वहीं, एक टेलीफोटो सेंसर और एक अल्ट्रा-वाइड-एंगल सेंसर भी दिया जा सकता है। इनफीनिक्स जीरो 5जी में 16 मेगापिक्सल का सेल्फी सेंसर दिए जाने की उम्मीद है। इनफीनिक्स जीरो 5जीपर कनेक्टिविटी विकल्पों में 5जी, एनएफसी, यूएसबी टाइप-सी और एक 3.5 एमएम हेडफोन जैक जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। स्मार्टफोन में फिंगरप्रिंट स्कैनर और 5000एमएएच की बैटरी के साथ 33डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ दी जा सकती है। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स द्वारा स्मार्टफोन की कीमत और स्पेसिफिकेशन्स के बारे में लीक किए जाने के बाद सामने आई है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 629.755 अरब डॉलर हुआ

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 4.531 अरब डॉलर घटकर 629.755 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार 21 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 67.8 करोड़ डॉलर घटकर 634.287 अरब डॉलर रह गया था।

जबकि तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में यह रिकॉर्ड 642.453 के उच्च स्तर पर रहा था। आरबीआई के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 28 जनवरी को समाप्त समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट आने की वजह कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों (एफसीए) में गिरावट आना है। इस सप्ताह एफसीए 3.504 अरब डॉलर घटकर 566.077 अरब डॉलर रह गया। डॉलर में अभिव्यक्त किए जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पौंड और येन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्रा के घट-बढ़ को भी शामिल किया जाता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 84.4 करोड़ डॉलर घटकर 39.493 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार 14.1 करोड़ डॉलर घटकर 19.011 अरब डॉलर रह गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में देश का मुद्रा भंडार भी 4.2 करोड़ डॉलर घटकर 5.174 अरब डॉलर रह गया।

गोदरेज प्रॉपर्टीज ने डीबी रियल्टी सौदा किया रद्द

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट कंपनी गोदरेज प्रॉपर्टीज ने डीबी रियल्टी में 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 700 करोड़ रुपए निवेश करने की अपनी योजना रद्द कर दी है। गोदरेज प्रॉपर्टीज ने घोषणा की थी कि वह डीबी रियल्टी में लगभग 10 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए 400 करोड़ रुपए का निवेश करेगी और साथ ही झुग्गी पुनर्विकास परियोजना के लिए एक संयुक्त मंच बनाने को 300 करोड़ रुपए का निवेश किया जाएगा। गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड के एक अे धिकारी ने कहा कि हमने अपने अल्पांश निवेशकों सहित विभिन्न हितधारकों से मिली प्रतिक्रिया के बाद आगे नहीं बढ़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि निवेश की संरचना के साथ ही झुग्गी पुनर्विकास के संबंध में भी चिंताएं थीं। इससे पहले कहा गया था कि गोदरेज प्रॉपर्टीज और डीबी रियल्टी के संयुक्त मंच का कुल आकार 600 करोड़ रुपए होगा। दोनों कंपनियां इसमें आधा-आधा निवेश करेंगी। मुंबई की गोदरेज प्रॉपर्टीज देश की प्रमुख रियल्टी कंपनियों में शामिल है।

बुल्गारिया में रवि दहिया, पूनिया के साथ छह पहलवान लेंगे विशेष शिविर में हिस्सा

नई दिल्ली । टोक्यो ओलिम्पिक रजत पदक विजेता रवि दहिया और 2019 विश्व चैम्पियनशिप पदकधारी दीपक पूनिया के साथ 6 अन्य भारतीय पहलवानों को 5 से 23 फरवरी तक बुल्गारिया के तेतेवेन में लगने वाले विशेष शिविर के लिए चुना गया है। खेल मंत्रालय ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की सिफारिशों पर ट्रेनिंग शिविर को मंजूरी दी है जो बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों और हांगजोऊ एशियाई खेलों की तैयारियों के लिए अहम होगा। महासंघ की विज्ञप्ति के अनुसार 14 सदस्यीय टीम में 4 फ्रीस्टाइल, 4 ग्रीको रोमन पहलवान, 4 'स्पारिंग' जोड़ीदार और 2 कोच शामिल हैं। स्वदेश लौटने के बाद ये सभी सोनीपत में भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्र में होने वाले राष्ट्रीय शिविर से जुड़ेंगे। इसके साथ ही 48 महिला पहलवानों का लखनऊ में राष्ट्रीय शिविर लगाया जाएगा।

आस्ट्रेलिया ने अफगानिस्तान को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया

ओसबोर्न ।

आस्ट्रेलिया ने निवेतन राधाकृष्णन के हरफनमौला प्रदर्शन से अफगानिस्तान पर दो विकेट की जीत से आईसीसी अंडर-19 विश्व कप में तीसरा स्थान हासिल किया। आल राउंडर राधाकृष्णन ने 31 रन देकर तीन विकेट झटके और अफगानिस्तान को 201 रन पर ढेर करने में अहम भूमिका निभाई और फिर उन्होंने लक्ष्य का पीछा कर अर्धशतकीय पारी खेली। आस्ट्रेलिया को हालांकि लक्ष्य का पीछा करने में थोड़ा पसीना बहाना पड़ा लेकिन अंत में उसने पांच गेंद रहते जीत हासिल की।

अफगानिस्तान को टूर्नामेंट के इस चरण में अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ (2018 में चौथे स्थान) नतीजे से बेहतर करने की उम्मीद थी। उसने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। लेकिन विलियम साल्जमैन (43 रन देकर तीन विकेट) ने नानगेयालिया खारोटे और अल्लाह नूर के विकेट झटककर उसका स्कोर दो विकेट पर 15 रन कर दिया। मोहम्मद इशाक (34) और कप्तान सुलीमान शफी (37) ने संभलकर खेलकर 70 रन जोड़े। साल्जमैन ने इशाक को रन आउट किया जिसके तीन गेंद बाद शफी को राधाकृष्णन ने आउट किया। इजाज अहमद अहमदजई एक छोर पर डटे रहे और उन्होंने 81 रन की पारी खेली, पर दूसरे छोर पर विकेट गिरना जारी रहा। वह आउट होने वाले नौवें खिलाड़ी रहे, जिन्हें साल्जमैन ने 201 के स्कोर पर अपना तीसरा शिकार बनाया। कप्तान कूपर कोनोली (30 रन देकर दो विकेट) ने अंतिम ओवर में अपना दूसरा विकेट झटका जिससे आस्ट्रेलिया को जीत के लिये 202 रन का लक्ष्य मिला। कैम्पबेल केलावे (51) और टीगुए विली (13) ने मिलकर पहले विकेट के लिये अर्धशतकीय साझेदारी निभाई। पर नानगेयालिया ने विली की पारी का अंत किया, इसके बाद राधाकृष्णन क्रीज पर उतरे। राधाकृष्णन और केलावे ने 60 रन की भागीदारी कर ली थी कि नूर अहमद ने केलावे और कोनोली को लगातार अंतराल पर आउट कर दिया।

इसाक हिगिन्स ने राधाकृष्णन के साथ मिलकर 40 रन की भागीदारी में 11 रन बनाए। लेकिन ये दोनों खिलाड़ी आउट हुए तब भी आस्ट्रेलिया को जीत के लिए 35 रन की जरूरत थी,जिससे दबाव बन गया था।

500 की स्ट्राइक रेट से रन ठोकने वाले दिनेश बाना पंत के लिए चुनौती

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंच गई है।टीम को इस मुकाम तक पहुंचाने में युवा बल्लेबाजों और गेंदबाजों के साथ एक ऐसा नाम भी है, जिसकी चर्चा कम हुई है।यह नाम दिनेश बाना का है।19 साल का यह युवा विकेटकीपर बल्लेबाज है।दिनेश की विकेटकीपर बेहतरीन है ही, लेकिन उनकी बल्लेबाजी भी कमाल की है।ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्हें सिर्फ 4 गेंदें खेलने का मौका मिला और उन्होंने इनमें 500 की स्ट्राइक रेट से रन ठोक दिए। दिनेश की आक्रामक बल्लेबाजी ने ना सिर्फ क्रिकेट फैंस का दिल जीता, बल्कि आईपीएल टीमों की नजरें भी उन पर टिक गई हैं। हरियाणा के दिनेश बाना भारत की मौजूदा अंडर-19 टीम में मिडिल-लोअर ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हैं।टीम में उनकी बैटिंग पोजीशन जरूरत के हिसाब से बदलती रहती है।कई बार तेज बल्लेबाजी के लिए उन्हें प्रमोट भी किया जाता है।बाना का खेल काफी हद तक ऋषभ पंत जैसा है।पंत अभी भारत के नंबर-1 विकेटकीपर बल्लेबाज हैं और तीनों फॉर्मेट में टीम की प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी ताबड़तोड़ बल्लेबाजी के दुनियाभर में प्रशंसक हैं। इसके बावजूद उन्हें ईशान किशन और संजू सैमसन जैसे युवा विकेटकीपर बल्लेबाजों से लगातार चुनौती मिलती रही है।इनके बाद अब दिनेश बाना का नाम भी जुड़ गया है, जिन्होंने तीन दिन पहले ही अंडर-19 वर्ल्ड कप में तेज बैटिंग का विश्व रिकॉर्ड बनाया है। हिसार में जन्मे दिनेश बाना ने अंडर-19 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 4 गेंद पर नाबाद 20 रन बनाए। उन्होंने 2 छक्के और 2 चौके जड़े।उनका स्ट्राइक रेट 500 रहा। दिनेश बाना इसके साथ ही पुरुष या महिला या अंडर-19 क्रिकेट की किसी भी कैटेगरी में 4 या उससे अधिक गेंद खेलकर सिर्फ बाउंड्री से रन बनाने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर बने है।

दिनेश बाना ने अपने खेल से समूचे खेल जगत का ध्यान खींचा है। अगर वे इसी साल आईपीएल में खेलते दिख जाएं,तब हैरान नहीं होना चाहिए। कोच रनवीर जाखड़ बताते हैं, कि दिनेश अभी मिडिल-लोअर ऑर्डर में खेलते हैं।

स्काउटन ने ओलंपिक स्पीड स्केटिंग में नीदरलैंड को पहला स्वर्ण दिलाया

बीजिंग ।

आइरीन स्काउटन ने शनिवार को महिलाओं के 3,000 मीटर में 20 साल पुराने ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ते हुए बीजिंग खेलों के पहले स्पीड स्केटिंग स्पर्धा में शनिवार को नीदरलैंड को स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने अंतिम 10 जोड़ियों में स्केटिंग करते हुए तीन मिनट 56.93 सेकंड के समय के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने इसके साथ ही 2002 के साल्ट लेक सिटी खेल में जर्मनी की क्लाउडिया पेचस्टीन द्वारा कायम तीन मिनट 57.70 सेकंड के पिछले ओलंपिक रिकॉर्ड को तोड़ दिया। खास बात यह है कि 49 साल की पेचस्टीन भी इस स्पर्धा में भाग ले रही थी। ओलंपिक (शीतकालीन) इतिहास में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बनने वाली पेचस्टीन आखिरी स्थान पर रही। वह विजेता से 20 सेकंड से अधिक का समय लिया। वह आठ ओलंपिक में भाग लेने वाली पहली महिला और सिर्फ दूसरी खिलाड़ी है। इटली की फ्रांसेस्का लोलोब्रिगिडा ने तीन मिनट 58.06 सेकंड के समय के साथ रजत जबकि कनाडा की इसाबेल वेइडमैन (तीन मिनट 58.64 सेकंड) के साथ कांस्य पदक जीता।

टीम इंडिया का ऐतिहासिक 1000वॉ एकदिवसीय आज

- भारत-वेस्टइंडीज पहला एक दिवसीय मैच
- ईशान किशन रोहित के साथ पारी की कर सकते हैं आगाज

अहमदाबाद ।

भारतीय क्रिकेट टीम के नए कप्तान रोहित शर्मा की मौजूदगी में टीम रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही वनडे श्रृंखला के साथ नए युग में प्रवेश करेगी, जिसमें टीम अपनी पुरानी 'मध्यक्रम की समस्या' से निजात पाने की कोशिश करेगी। श्रृंखला का शुरूआती मैच भारत के लिए ऐतिहासिक 1000वां वनडे होगा। भारतीय टीम 2023 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियां अभी से शुरू करना चाहेगी। जिसमें वह 2015 और 2019 में ट्राफी हासिल नहीं कर सकी थी और अब वह अपनी रणनीति में वास्तव में बदलाव करना चाहेगी। कमजोर दक्षिण अफ्रीकी टीम के खिलाफ उसकी सरजमीं पर हार झेलने के बाद टीम अब नए वनडे कप्तान रोहित के साथ जीत की लय में आना चाहेगी, जिसमें रोहित के साथ कोच राहुल द्रविड़ भी शामिल हैं। 'रोहित-द्रविड़ की जोड़ी अगले कुछ महीनों में 50 ओवर प्रारूप के लिये टीम की रणनीति तय करेगी, क्योंकि यह स्पष्ट हो गया है कि सुधार के लिए थोड़े फेरबदल की जरूरत है।इसकारण रविवार से शुरू हो रही श्रृंखला जूझ रहे मध्यक्रम को सही करने पर ध्यान लगाने के लिए सही मंच होगी। पहले कप्तान रोहित को उदाहरण पेश करके अगुआई करनी होगी जो सफेद गेंद के बेहतरीन बल्लेबाज हैं। पहले मैच में केएल राहुल की अनुपस्थिति और अन्य विशेषज्ञ सलामी बल्लेबाज शिखर धवन और रूतुराज गायकवाड़ के कोरोना संक्रमित होने के बाद ईशान किशन रोहित के साथ पारी का आगाज कर सकते हैं, जिन्हें टीम में शामिल किया गया है। इसके लिए मयंक अग्रवाल भी विकल्प है लेकिन पृथकवास में होने के कारण बिना ट्रेनिंग सत्र के उन्हें मैच में उतारना जोखिम भरा हो सकता है। अगर रोहित लय में होंते हैं, तब किसी भी दिन किसी भी तरह के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ा सकते हैं और वेस्टइंडीज का आक्रमण भी अपवाद नहीं होगा।दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में ऋषभ पंत की दूसरे मैच में पारी को छोड़ दें,तब तीनों मुकाबलों में मध्यक्रम पूरी तरह से चरमरा गया और अब जरूरत है कि मध्यक्रम में प्रभावशाली खिलाड़ी मौजूद रहें। श्रृंखला के लिए श्रेयस अय्यर उपलब्ध नहीं हैं, तब आक्रामक सूर्यकुमार यादव और साथ ही दीपक हुड्डा के पास भी राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को लुभाने का मौका है। इन दोनों के अलावा काफी कुछ निर्भर करेगा कि विराट कोहली कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत ने द.अफ्रीका में मध्यक्रम में वेंकटेश अय्यर को आजमाया था लेकिन यह प्रयोग सफल नहीं रहा। गेंदबाजी की बात करे,तब बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव वनडे टीम में वापस आ चुके हैं और पूरी उम्मीद है कि वह अपने अनुभवी जोड़ीदार युजवेंद्र चहल के साथ अंतिम एकादश में शामिल हो सकते है।

संक्षिप्त समाचार

एंडी फ्लावर आईपीएल नीलामी के लिए रवाना,पीएसएल बीच में छोड़ी

कराची । जिम्बाब्वे के पूर्व स्टार खिलाड़ी एंडी फ्लावर ने भारत में 11 और 12 फरवरी को होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग की मेगा नीलामी का हिस्सा बनने के लिए पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के बीच में ही मुल्तान सुल्तांस टीम से छुट्टी ले ली है। फ्लावर ने पिछले साल मुल्तान सुल्तांस को अपनी कोचिंग में पीएसएल खिताब दिलाया था। वह आईपीएल नीलामी के लिए बेंगलुरू में होगें क्योंकि वह नई आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के मुख्य कोच हैं। मुल्तान सुल्तांस के मीडिया विभाग के अनुसार फ्लावर वर्चुअली उपलब्ध होकर और 13 को पाकिस्तान लौटने वाले हैं। पीएसएल फ्रेंचाइजी कम से कम 10 दिन तक फ्लावर के बिना ही खेलेगी। इस दौरानटीम 5, 10 और 11 फरवरी को मैच खेलेगी। फ्लावर 16 फरवरी को होने वाले मैच के लिए टीम से जुड़ जाएंगे। फ्लावर बीते समय में इंग्लैंड टीम को भी कोचिंग दे चुके हैं।

आरसीबी से खेल सकता है यह डिविलियर्स जैसा बल्लेबाज

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस भी इस बार आईपीएल 2022 की मेगा नीलामी में उतरेंगे। ब्रेविस को आक्रामक बल्लेबाजी शैली के कारण ही बेबी एबी डिविलियर्स के नाम से लोकप्रियता मिली है। ब्रेविस ने इस बार नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है। ब्रेविस भी डिविलियर्स की तरह ही बल्लेबाजी करते हैं। वह उनके नंबर की ही जर्सी पहनते हैं। ऐसे में प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह भी डिविलियर्स की तरह ही आरसीबी में उनकी जगह पर खेल सकते हैं। अंडर 19 विश्व कप में वह निडर तरीके से बल्लेबाजी करते रहे हैं। 4 मैचों में उन्होंने 65, 104, 96 और 97 रन की पारी खेली. उन होंने 90.50 की औसत और 86.39 की स्ट्राइक रेट से 362 रन बनाए हैं। ब्रेविस भी डिविलियर्स की तरह 360 डिग्री के अंदाज में बल लेबाजी कर सकते हैं। वो 17 नंबर की जर्सी पहना पसंद करते हैं, जो डिविलियर्स पहनते थे। ब्रेविस की मां उनके लिए यह जर्सी बनाती थी। ब्रेविस की जब डिविलियर्स से पहली बार मुलाकात हुई तो उन होंने अपने स्टार से 17 नंबर की जर्सी पहने की इजाजत मांगी थी। इजाजत मिलने के बाद ब्रेविस इसी नंबर की जर्सी पहनते हैं। हाल में एक वीडियो में ब्रेविस ने कहा था कि वो आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम से इसलिए खेलना चाहते हैं, क्योंकि इस टीम से डिविलियर्स खेल चुके हैं। इसके अलावा विराट कोहली भी इस टीम का हिस्सा है। माना जा रहा है कि नीलामी में ब्रेविस पर करोड़ों की रकम लग सकती है।

न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर क्रिस केर्न्स को आंत का कैंसर

क्राइस्टचर्च ।

न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर क्रिस केर्न्स पिछले हफ्ते ही 5 महीने तक अस्पताल में रहने के बाद डिस्चार्ज हुए थे। उनके दिल का ऑपरेशन हुआ था। स्पाइनल स्ट्रोक की वजह से उनका ऑपरेशन हुआ था। अब केर्न्स ने खुलासा किया है कि उन्हें आंत का कैंसर है। उन्होंने खुद इसकी जानकारी दी। 51 साल के केर्न्स 2000 की दशक के शुरुआत में दुनिया के टॉप ऑलराउंडर में शामिल थे। केर्न्स ने बताया कि वे नियमित जांच के लिए अस्पताल गए थे, तभी उन्हें कैंसर होने की जानकारी मिली। केर्न्स ने लिखा, 'मुझे कल बताया गया था कि मुझे आंत का कैंसर है। बड़ा सदमा और वह नहीं जिसकी मैं नियमित जांच के बाद उम्मीद कर रहा था। इसलिए, जब मैं सर्जनों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत के एक और दौर की तैयारी करता हूं, तब मुझे याद आता है कि मैं होने पर कितना भाग्यशाली हूं। मैं अपने जीवन में जो कुछ भी करता हूं उसके लिए धन्य हूं। उम्मीद है कि इस बार यह जंग पहले दौर में ही खत्म होगी। केन्स ने 1989 से 2006 के बीच न्यूजीलैंड के लिए 62 टेस्ट, 215 वनडे और दो टी20 मैच खेले थे। उनके पिता भी न्यूजीलैंड के लिए खेल चुके हैं। वे इंडियन क्रिकेट लीग (आईसीएल) में चंडीगढ़ लायंस के कप्तान भी थे। केर्न्स पर फिक्सिंग के भी आरोप लगे थे। उनके खिलाफ दो केस हुए, लेकिन बाद में आरोप साबित नहीं हुआ। क्रिकेट से संन्यास लेने के समय क्रेन्स टेस्ट में सबसे ज्यादा 87 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज थे। टेस्ट में उनके नाम 3320 रन के साथ 218 विकेट हैं। वे इस फॉर्मेट में 200+ विकेट के साथ तीन हजार से ज्यादा रन बनाने वाले छठे खिलाड़ी थे। केर्न्स के नाम वनडे में भी 201 विकेट और 4950 रन हैं। उन्होंने वनडे क्रिकेट में भी 153 छक्के लगाए थे।

कोविड, लॉकडाउन और बहिष्कार के बीच चीन में शीतकालीन ओलंपिक स्पर्धा आरंभ

बीजिंग ।

कोविड महामारी से दुनिया को त्रस्त कने वाला चीन ने शुक्रवार को यहां लॉक-डाउन के साये में शीतकालीन ओलंपिक खेल स्पर्धा की शुरुआत की। कई देशों ने इन खेलों का राजनयिक बहिष्कार किया है लेकिन चीन गर्व से वैश्विक स्तर पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने यहां बर्फ और सर्दी के मौसम जैसे माहौल में नेशनल स्टेडियम में आयोजित उद्घाटन समारोह के दौरान खेलों के शुरू होने की घोषणा की। इसी बर्ड नेस्ट (चिड़िया की घोसले की तरह) स्टेडियम ने 2008 के ओलंपिक (ग्रीष्मकालीन खेल) के उद्घाटन समारोह की मेजबानी की थी। इसके साथ ही बीजिंग ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन ओलंपिक की मेजबानी करने वाला दुनिया का पहला शहर बन गया। इससे पहले चिनफिंग और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थॉमस एक साथ स्टेडियम पहुंचे थे। महामारी के दौर में टोक्यो (ग्रीष्मकालीन ओलंपिक) के बाद पिछले छह महीने में यह दूसरा ओलंपिक है। एथलीट झाओ जियावेन और देश के उइगर मुस्लिम अल्पसंख्यक के एक सदस्य डिनिगीर यिलामुजियांग ने अंतिम ओलंपिक लौ प्रदान की। यिलामुजियांग के चयन को प्रतीकात्मक माना जा रहा है। आलोचकों का कहना है कि बीजिंग सरकार ने बड़े पैमाने पर उइगरों का उत्पीड़न किया है। मानवाधिकारों के हनन को लेकर अमेरिका और यूरोप के कई देशों के विरोध के बाद भी उद्घाटन समारोह में कई वैश्विक नेताओं ने भाग लिया। इसमें सबसे उल्लेखनीय नाम रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का है। यूक्रेन के साथ जारी सीमा विवाद के बीच पुतिन ने समारोह से पहले दिन में शी के साथ निजी तौर पर मुलाकात की। भारत ने गुरुवार को घोषणा की कि बीजिंग में भारतीय दूतावास के मामलों के प्रमुख 2022 शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन या समापन समारोह में हिस्सा नहीं लेंगे क्योंकि चीन ने गलवान घाटी झड़प में शामिल सैन्य कमांडर को इस प्रतिष्ठित खेल प्रतियोगिता का मशाल धारक बनाकर सम्मानित किया है। इन राजनीतिक मुद्दों के साये में चीन ने अपनी सांस्कृतिक झलक का प्रदर्शन किया। आधिकारिक समारोह से पहले, नर्तकियों ने विभिन्न प्रकार के रंगीन सफेद स्नोसूट में मनोरंजन किया।

ऑस्ट्रेलिया के हाथों 0-4 से मिली हार के बाद ग्राहम थोर्प को हटाया गया

लंदन । एशेज में ऑस्ट्रेलिया के हाथों 0-4 से मिली हार का खामियाजा ग्राहम थोर्प को भी चुकाना पड़ा है। थोर्प को भी क्रिस सिल्वरवुड की ही तरह उनके पद से हटा दिया गया है, लेकिन जो रूट आगामी वेस्टइंडीज दौरे के लिए इंग्लैंड के कप्तान बने रहने वाले है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड के अंतरिम निदेशक एंड्रीयू स्ट्रॉस ने इसकी जानकारी दी। स्ट्रॉस ने अंतरिम क्रिकेट निदेशक का पदभार संभाकर इंग्लैंड के मुख्य कोच सिल्वरवुड को भी बर्खास्त कर दिया था। स्ट्रॉस ने कहा, एशेज में 0-4 से मिली हार के बाद रूट बेहद निराश हैं, क्योंकि दूसरी बार उनकी कप्तानी में टीम को इस तरह ऑस्ट्रेलिया में हार मिली है। हालांकि रूट का समर्थन करते हुए स्ट्रॉस ने कहा,रूट की ऊर्चा और सभी खिलाडियों को प्रोत्साहित करने का जज्बा शानदार है, वह दूसरे खिलाडियों की इज्जत भी करते हैं लिहाज़ा वह टीम के कप्तान बने रहने वाले है। रूट ने 2021 में कमाल का प्रदर्शन किया था, जहां उन्होंने 61 की औसत से 1708 टेस्ट रन बनाए थे जिसमें छह शतक भी शामिल हैं। दूसरी तरफ थोर्प तीसरे खिलाड़ी हैं, जिनपर हार की गाज गिरी है, इसके पीछे सिर्फ टीम का खराब प्रदर्शन नहीं बल्कि मैदान के बाहर शराब पीने की आदत और खराब फिटनेस को माना जा रहा है।

लैंगर का इस्तीफा आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए दुखद दिन, उसके साथ अच्छा व्यवहार नहीं हुआ होगा : पोंटिंग

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने जस्टिन लैंगर के मुख्य कोच के पद से इस्तीफा देने के बाद कहा कि यह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक दुखद दिन है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक तौर पर कहा कि जस्टिन को उनके मौजूदा अनुबंध के लिए विस्तार की पेशकश की गई थी, जिसे उन्होंने स्वीकार नहीं करने का विकल्प चुना।

इस पर पोंटिंग ने कहा यह वास्तव में एक दुखद दिन है, जहां तक ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का संबंध है। अगर आप पीछे मुड़कर देखें तो छह महीने बेहद खराब रहे हैं। जिस तरह से क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में जस्टिन लैंगर और टिम पेन जैसे कुछ बेहतर लोगों को संभाला है, वह शर्मनाक है। पोंटिंग ने कहा उसे बोर्ड का पूरा समर्थन नहीं मिला होगा, इस वजह से उसने इस्तीफा दे दिया। मैं जस्टिन लैंगर को जिस तरह से जानता हूं वह इस भूमिका को जारी रखने को लेकर बहुत उत्सुक था। क्योंकि उसे अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की सर्वश्रेष्ठ कोचिंग अवधि के बाद टीम का कोच होना चाहिए था।

अभी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने उसकी कोचिंग में टी20 विश्व कप और फिर एशेज सीरीज 4-0 से जीती है। पोंटिंग ने कहा कि एक ऐसे व्यक्ति को बाहर जाने पर मजबूर किया गया है, जिसने अपना जीवन और आत्मा ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को दे दी है।

उसने ऑस्ट्रेलियाई संस्कृति को बदलने का शानदार काम किया है। जस्टिन मेरा महान साथी है और मुझे पता है कि वह ऑस्ट्रेलियाई टीम की कोचिंग को लेकर कितना भावुक है और वह इसे जारी रखना चाहता था और सबसे अच्छा कोच बनना चाहता था।

राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए चयन ट्रायल आयोजित होंगे : एनआरएआई

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने कहा है कि इस साल मार्च और अप्रैल में राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए चयन ट्रायल आयोजित किये जाएंगे। एनआरएआई के अनुसार राइफल के लिए पहला और दूसरा चयन ट्रायल भोपाल में आठ से 21 मार्च तक होगा। वहीं इस दौरान पिस्टल ट्रायल दिल्ली में होंगे। चयन ट्रायल तीन और चार का आयोजन 26 मार्च से सात अप्रैल तक होगा, जिसमें राइफल का ट्रायल भोपाल जबकि पिस्टल का ट्रायल दिल्ली में किया जाएगा। कोरोना संक्रमण के खतरे के कम होने के कारण एनआरएआई ने यह फैसला किया है। हालांकि काहिरा में 26 फरवरी से शुरू होने वाले आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी टीम का चयन 64वीं राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के अंतिम रैंकिंग अंक के साथ-साथ क्वालीफिकेशन स्कोर को ध्यान में रखते हुए किया गया था क्योंकि तब महामारी के कारण चयन ट्रायल आयोजित नहीं किया जा सका था। एनआरएआई ने कहा, ''कोविड-19 हालातों के कारण इस साल जनवरी 2022 में प्रस्तावित चयन ट्रायल नहीं हुए थे क्योंकि आईएसएसएफ विश्व कप, काहिरा के लिए टीमों के चयन से पहले ट्रायल आयोजित करने का समय नहीं था।'' वहीं सत्र के पहले विश्व कप की इस भारतीय टीम में मनु भाकर और अभिषेक वर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल नहीं हैं।

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

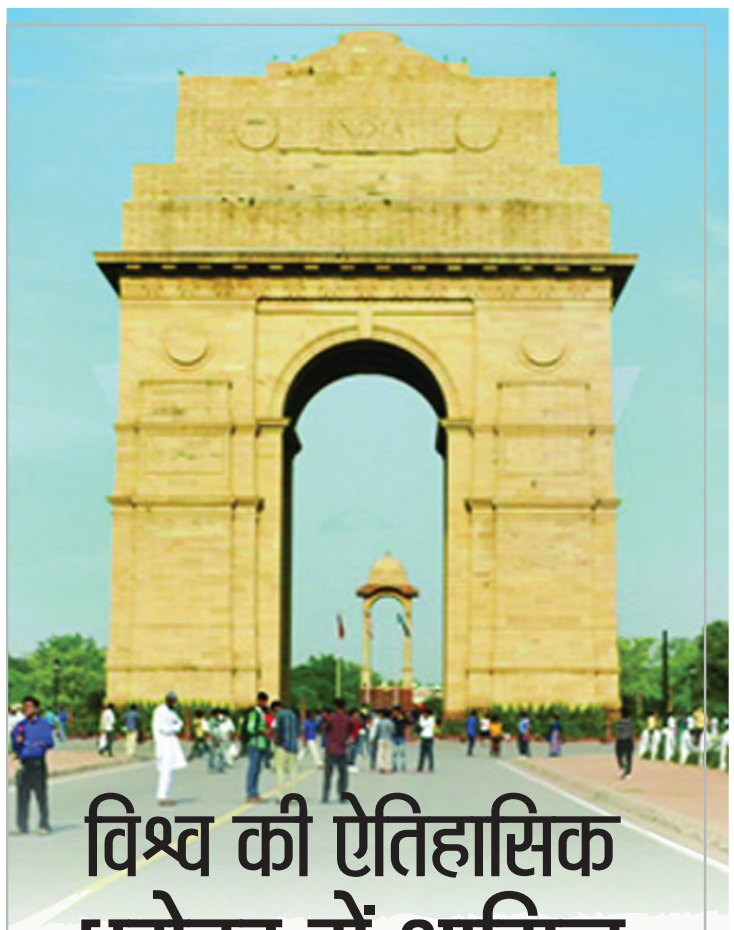

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्थापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।

एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।

मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।

मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?

मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।

सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?

मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?

सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?

मछली सोच में पड़ गई।

सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला।

मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।

बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।

रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।

सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?

चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?

बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।

किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोड़ूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोड़ूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे,बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

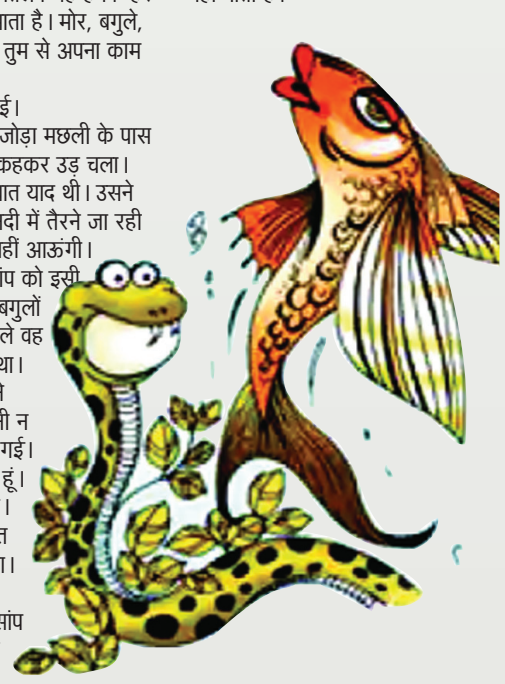

आसमान का राजा बाज

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्दद्यद्ध शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है. बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

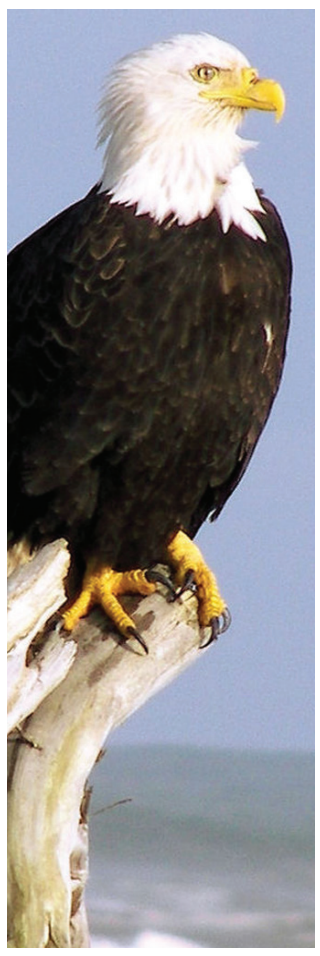

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ट बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

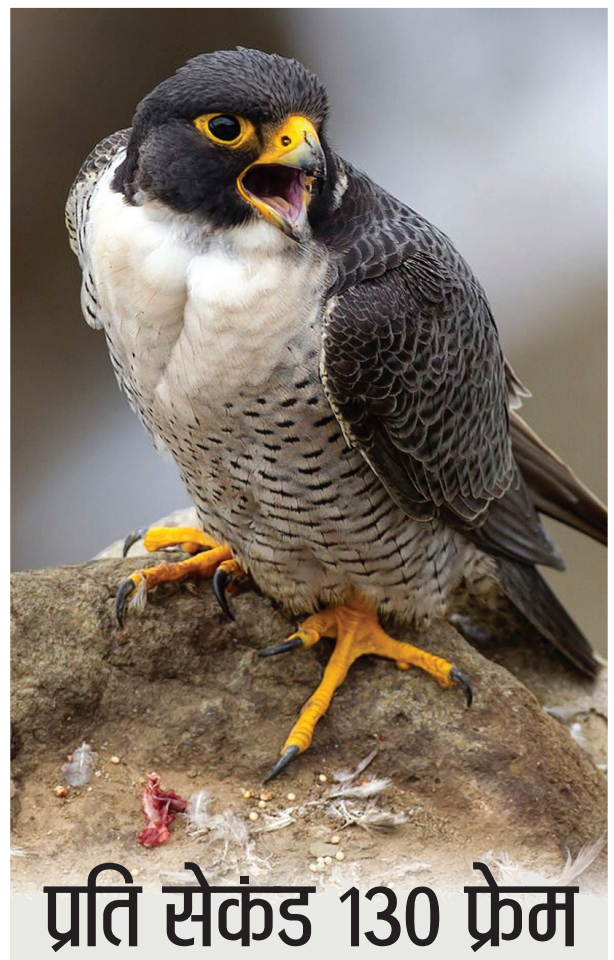

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है।इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

सार समाचार

पेरू के नाजका लाइन्स में विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से सात लोगों की मौत

लीमा। पेरू के नाजका लाइन्स रेगिस्तान में शुक्रवार को एक हल्के विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने से उसमें सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नाजका में 82वीं फायर कंपनी के एक दमकलकर्मी ब्रिगेडियर जुआन तिराडो ने बताया कि विमान शहर के एक हवाई अड्डे के पास गिरा और उसमें सवार 'कोई व्यक्ति जीवित नहीं' बचा। विमान के मालिकाना हक वाली कंपनी एयरो सांतोस ने बताया कि विमान में पांच पर्यटक, एक चालक और एक सह चालक था। पर्यटकों की पहचान अभी नहीं हो पाई है।

पंजगुर हमले के बाद की गई कार्रवाई में बलूचिस्तान में तीन आतंकवादी मारे गए: पाकिस्तानी सेना

क्वेटा (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के पंजगुर और नौशकी में सेना के शिविरों पर हुए हमलों के एक दिन बाद बलूचिस्तान प्रांत के बालघाटार इलाके में सुरक्षा बलों की कार्रवाई में शुक्रवार को तीन आतंकवादी मारे गए। सेना की मीडिया संबंधी मामलों की शाखा ने बताया कि आतंकवादी पंजगुर इलाके के फ्रंटियर कोर्प शिविर में हुए हालिया हमले संबंधी एक ठिकाने में सेना के अभियान के दौरान मारे गए। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में हथियारों से लैस हमलावरों ने बृहस्पतिवार को सुरक्षा बलों के शिविरों पर हमला कर दिया था, जिसके बाद हुई भीषण मुठभेड़ में कम से कम 15 आतंकवादी मारे गए थे। इस घटना में चार सैनिकों की भी मौत हो गई थी। एक अन्य घटना में बलूचिस्तान के सीमावर्ती शहर चमन में आतंकवादियों ने एक हथगोला फेंककर हमला किया, जिसमें लेवी (अर्द्धसैन्य कानून प्रवर्तन संगठन) के दो कर्मियों सहित छह लोग घायल हो गए। 'इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस' (आईएसपीआर) ने बताया कि एक खुफिया जानकारी मिलने के बाद बालघाटार इलाके में आतंकवादियों के ठिकाने को घेर लिया गया और इसके बाद हुई मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकवादियों की पहचान आतंकवादी कमांडर सुमेर उर्फ बहार, अल्लाफ उर्फ ललिक और फैलन बलूच के रूप में की गई है, जो होशाब, पंजगुर और अन्य क्षेत्रों में सुरक्षा बलों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे।

तनाव के बीच फ्रांसीसी, जर्मन नेता रूस, यूक्रेन की यात्रा करेंगे

पेरिस। यूक्रेन पर आक्रमण करने से रूस को रोकने और दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव को कम करने का कूटनीतिक तरीका ढूंढने के प्रयास के तहत फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज अगले सप्ताह मास्को एवं कीव की यात्रा करेंगे। मैक्रों की मास्को की यात्रा सोमवार को प्रस्तावित है, जबकि अगले दिन यानी मंगलवार को वह कीव में होंगे। शोल्ज पहले कीव की यात्रा करेंगे फिर उसके बाद मॉस्को जाएंगे। उनकी यह यात्रा क्रमशः 14 और 15 फरवरी को प्रस्तावित है। चीन ने यूक्रेन में नाटो के विस्तार पर रोक की रूस की मांग का समर्थन किया है, जबकि अमेरिका ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि रूस अपने पड़ोसी यूक्रेन की ओर से रूसी क्षेत्र पर हमला किये जाने की आशंका के बहाने सैन्य हमला करने और क्षेत्र में युद्ध थोपने की साजिश रच रहा है। हालांकि अमेरिका ने अपने दावों के समर्थन में किसी तरह की विस्तृत जानकारी नहीं दी है। फ्रांस, नाटो का महत्वपूर्ण घटक है और रोमानिया पर रूस के हमले की आशंका के मद्देनजर गठबंधन की ओर से की जा रही तैयारी के तहत अपनी सेना भेज रहा है, लेकिन मैक्रों अपने रूसी समकक्ष के साथ संवाद की वकालत करते रहे हैं और खुद भी हाल के सप्ताह में पुतिन से कई बार बात की है। मैक्रों के कार्यालय ने शुक्रवार को बताया कि दोनों नेताओं के सोमवार को आमने-सामने की बैठक होगी। मैक्रों वैश्विक राजनीति में अमेरिका से अलग रास्ता अपनाने की फ्रांसीसी परम्परा का निर्वाह कर रहे हैं, साथ ही इस संकट पर अपनी छाप छोड़ने तथा यूरोप के हितों की रक्षा करने का प्रयास कर रहे हैं। जर्मनी ने तनाव से निपटने में विभिन्न राजनयिक प्रारूपों के महत्व पर जोर दिया है और यूक्रेन को हथियार भेजने से इनकार कर दिया है, जिसने कुछ सहयोगियों को परेशान भी किया है। संकट की घड़ी में कम सक्रियता को लेकर शोल्ज को हाल ही में अपने ही देश में आलोचना का शिकार होना पड़ा है। उधर, तुर्की के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने भी रूस और यूक्रेन के बीच वार्ता में मध्यस्थता की पेशकश की है।

तिब्बतियों ने शीतकालीन ओलंपिक के विरोध में भूख हड़ताल की

धर्मशाला । तिब्बती कार्यकर्ताओं के एक समूह ने शुक्रवार को शुरू हुए बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के विरोध में यहां एक दिन की भूख हड़ताल की। पांच तिब्बती गैर सरकारी संगठन - स्टूडेंट्स फॉर फ्री तिब्बत (एसएफटी), तिब्बती युवा कांग्रेस (टीवाईसी), तिब्बती महिला संघ (टीडब्ल्यूए), नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ तिब्बत (एनडीपीटी) और तिब्बत के पूर्व राजनीतिक बंदियों की गु चू सुम एसोसिएशन - ने 'तिब्बत में तिब्बियों के मानवाधिकारों के हनन' के खिलाफ विरोध करते हुए भूख हड़ताल की। कड़ाके की ठंड के बावजूद करीब इन संगठनों के 10 तिब्बती कार्यकर्ताओं ने मैकलाडगंज में भूख हड़ताल की जहां केंद्रीय तिब्बती प्रशासन (सीटीए) का मुख्यालय है। दुनिया भर में तिब्बती इन खेलों के खिलाफ विरोध कर रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक 2022 का बहिष्कार करने की मांग कर रहे हैं।

चीन ने रूस के साथ सुर में सुर मिलाते हुए नाटो के विस्तार का विरोध किया

बीजिंग। यूक्रेन के साथ बढ़ते तनाव के बीच, चीन ने शुक्रवार को रूस से सहमति जताते हुए नाटो के विस्तार का विरोध किया। वहीं मास्को ने परोक्ष रूप से क्वाड पर आपत्ति जताते हुए एशिया-प्रशांत क्षेत्र में उसके (क्वाड के) संगठन बनाने के बीजिंग के विरोध का समर्थन किया। बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के उद्घाटन समारोह से इतर चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने अपने रुसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर बैठक के दौरान बातचीत की और संयुक्त बयान जारी किया। दोनों देशों ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के विरुद्ध गठबंधन को मजबूत करने पर बल दिया।

न्यूज कॉर्प के कम्प्यूटर हैक, चीन की खुफिया एजेंसी का हाथ होने की आशंका

वाशिंगटन। 'द वाल स्ट्रीट जर्नल' के प्रकाशक न्यूज कॉर्प ने शुक्रवार को कहा कि उसके कम्प्यूटर को हैक किया गया और पत्रकारों तथा अन्य कर्मचारियों के डेटा चुराए गए। हैकिंग की जांच कर रही एक साइबर सुरक्षा कंपनी ने कहा कि माना जा रहा है कि इसे एक चीनी खुफिया एजेंसी ने अंजाम दिया। न्यूज कॉर्प के प्रकाशन में न्यूयार्क पोस्ट और डाउ जोन्स भी शामिल है। कंपनी ने कहा कि हैक किये जाने का20 जनवरी को पता चला। कंपनी ने कहा कि इसकी प्रकृति, दायरे, अवधि और प्रभाव का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। कंपनी ने कहा कि उसके ग्राहकों और वित्तीय आंकड़े अभी तक प्रभावित नहीं हुए हैं और कामकाज बाधित नहीं हुआ है।

वेस्ट बैंक शहर नब्लस के पास कुफ कदूम गांव में यहूदी बस्तियों के विस्तार के विरोध के बाद संघर्ष के दौरान इजरायली सैनिकों पर पत्थर फेंकते एक फिलिस्तीनी प्रदर्शनकारी।

अफगानिस्तान से जम्मू कश्मीर तक महसूस किए गए 5.7 तीव्रता के भूकंप के झटके

काबुल । अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में रिक?टर स?केल पर 5.7 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। यूरोपियन मेडिटेरेनियन सिस्मोलाजिकल सेंटर (ईएमएससी) के मुताबिक, अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया है। पहले इस भूकंप की तीव्रता 6.7 बताई गई थी। भूकंप के झटके शनिवार सुबह अफगानिस्तान से लेकर भारत और पाकिस?तान के कुछ क्षेत्रों में महसूस किए गए। भूकंप की गहराई 210 किमी बताई गई है। हालांकि, इस भूकंप से अभी किसी तरह के जान माल के खतरे की खबर नहीं है। दरअसल, कश्मीर समेत देश कई हिस्सों में सुबह 9:46 पर भूकंप के जोरदार झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.9 मापी गई। भूकंप के झटके इतने जोरदार थे कि लोग हड़बड़ाहट में अपने घरों से बाहर निकल आए। इसी तरह के झटके जिला पुंछ में भी महसूस किए गए। यहीं नहीं दिल?ली एनसीआर में भी भूकंप के झटके को महसूस किया गया और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए।

लोगों ने कुछ सैकेंड के लिए यह झटका महसूस किया। कुछ लोगों के मुताबिक यह काफी तेज था। सूत्रों के मुताबिक, पीएम नरेन्द्र मोदी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा को फोन कर केंद्र शासित प्रदेश में भूकंप की स्थिति के बारे में जानकारी ली। गौरतलब है कि हिंदुकुश पर्वतमाला का क्षेत्र करीब 3500 किलोमीटर से अधिक में फैला है। इसके अंदर दुनिया के आठ देश जिनमें अफगानिस्तान, भूटान, चीन, भारत, नेपाल, म्यांमार और पाकिस्तान आता है। हिंदुकुश हिमालय दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण 'वाटर टावर' है। जो एशिया की 10 सबसे बड़ी नदियों का स्रोत है। ये नदियां पहाड़ों और निचले इलाकों में रहने वाले 1.3 अरब लोगों के पीने के पानी, सिंचाई, ऊर्जा, उद्योग और स्वच्छता की जरूरतों को पूरा करती हैं।

परमाणु वार्ता महत्वपूर्ण चरण में पहुंचने पर अमेरिका ने ईरान को प्रतिबंधों से राहत दी

वाशिंगटन (एजेंसी)

ईरान और विश्व के कुछ शक्तिशाली देशों के बीच हुए 2015 के परमाणु समझौते को बचाने के उद्देश्य से जारी वार्ता के एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश करने के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने शुक्रवार को ईरानी परमाणु कार्यक्रम के लिए प्रतिबंधों में कुछ राहत बहाल की। अमेरिकी वार्ताकार इस अहम सत्र के लिए वियना गए हैं। इस बीच अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ईरान की असैन्य परमाणु गतिविधियों से संबंधित कई प्रतिबंधों से छूट देने के लिए हस्ताक्षर किए। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन ने ये छूट समाप्त कर दी थीं। इन छूटों का उद्देश्य ईरान को 2015 के समझौते के पालन के लिए लुभाना है, जिसका वह उस वक्त से उल्लंघन कर रहा है, जब ट्रम्प 2018 में इस समझौते से पीछे हट गए थे और ईरान पर अमेरिकी प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया था। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि समझौते में वापसी के लिए समर्थन जुटाना महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात से इनकार किया कि वे ईरान को कोई रियायत दे रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि अन्य पक्षों ब्रिटेन, चीन, फ्रांस, जर्मनी, रूस और यूरोपीय संघ को समझौते की वार्ता में शामिल करने के लिए छूट आवश्यक है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने ट्वीट किया, 'हमने ईरान को प्रतिबंधों से राहत नहीं दी है। हम ईरान के 'संयुक्त व्यापक कार्य योजना' (जेसीपीओए) के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं पर वापस लौटने तक ऐसा नहीं करेंगे।'

ईरान का कहना है कि वह समझौते की शर्तों का सम्मान नहीं कर रहा है क्योंकि अमेरिका ही पहले इससे अलग हो गया था। ईरान ने सभी प्रतिबंधों से राहत की बहाली की मांग की है। ट्रम्प प्रशासन ने मई 2020 में ईरान के खिलाफ अपने 'अधिकतम दबाव' अभियान के तहत छूटों को समाप्त कर दिया था और इसे सबसे खराब राजनयिक समझौता बताया था।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में जो बाइडन ने परमाणु समझौते में अमेरिका की वापसी को प्राथमिकता दी और उनके प्रशासन ने इस लक्ष्य पर काम किया, हालांकि एक साल पहले उनके पदभार ग्रहण करने के बाद से उस दिशा में बहुत कम प्रगति हुई है। प्रशासन के अधिकारियों ने कहा कि वियना वार्ता को आगे बढ़ाने में मदद करने के लिए छूट को बहाल किया जा रहा है।

एलओसी पर संघर्ष विराम से जुड़ा जनरल नरवणे का दावा सही नहीं : पाक सेना

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तानी सेना ने शुक्रवार को कहा कि भारत के साथ 2021 में हुए संघर्ष विराम समझौते को एक की ताकत या दूसरे की कमजोरी के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए और उसने भारतीय थल सेना प्रमुख के इस दावे को 'भ्रामक' बताया कि संघर्ष विराम इसलिए जारी है कि भारत ने बेहद मजबूत स्थिति के साथ बातचीत की। भारत और पाकिस्तान की सेनाओं ने सीमा पर तनाव घटाने के मकसद से बीते साल 25 फरवरी को घोषणा की थी कि वे 2003 के संघर्ष विराम समझौते पर प्रतिबद्धता जताते हुए नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर गोलीबारी बंद कर देंगी। पाक सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल बाबर इफ्तिखार की यह टिप्पणी भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे के नयी दिल्ली में एक संगोष्ठी में दिए उस बयान के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान के साथ नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम को लेकर कहा था कि यह जारी है 'क्योंकि हमने (भारत ने) मजबूत स्थिति के साथ बातचीत की है।' इफ्तिखार ने ट्विटर पर लिखा, ह्यभारतीय थल सेना प्रमुख का यह दावा 'भ्रामक' है कि एलओसी पर संघर्ष विराम इसलिए जारी है, क्योंकि उन्होंने बेहद मजबूत स्थिति के साथ बातचीत की। एलओसी के दोनों ओर रहने वाले कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर पाकिस्तान की चिंताओं के कारण ही संघर्ष विराम पर सहमति बनी थी। किसी भी पक्ष को इसे अपनी ताकत और दूसरे की कमजोरी के रूप में नहीं देखना चाहिए।' इस बीच, पाकिस्तान की सीनेट ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र द्वारा किए गए वादे के अनुसार आत्मनिर्णय का अधिकार हासिल करने के प्रयासों में कश्मीर के लोगों को देश का पूर्ण समर्थन देने का भरोसा दिलाया गया है।

बाइडन ने कोविड-19 महामारी से जंग में अधिक वैश्विक सहयोग का आह्वान किया

रोम (एजेंसी)

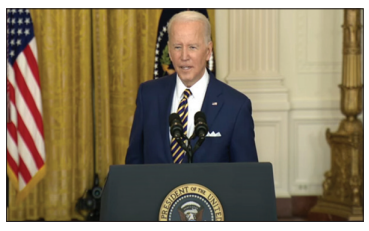

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन एक ऐतिहासिक ईसाई-मुस्लिम शांति पहल की दूसरी वर्षगांठ पर कोविड-19 महामारी, जलवायु परिवर्तन व अन्य वैश्विक संकटों से लड़ने के वास्ते अधिक वैश्विक सहयोग का आह्वान करने के लिये शुक्रवार को पोप फ्रांसिस और एक प्रमुख सुन्नी इमाम के साथ शामिल हुए। वेटिकन ने अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस के मौके पर बाइडन का एक बयान जारी किया। संयुक्त राष्ट्र द्वारा नामित यह दिवस 4 फरवरी 2019 को अबू धाबी में पोप फ्रांसिस और शेख अहमद अल-तैयब द्वारा हस्ताक्षरित एक ऐतिहासिक दस्तावेज से प्रेरित है, जिसका मकसद अंतरधार्मिक और बहुसांस्कृतिक समझ का उत्सव मनाना है।

अल-तैयब काहिरा में सुन्नी शिक्षा से जुड़े अल-अजहर केंद्र के इमाम हैं। दस्तावेज में दुनिया के सामने पेश आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक आपसी समझ और एकजुटता के प्रदर्शन का आह्वान किया गया है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के समर्थन के साथ, इस पहल के तहत अंतरराष्ट्रीय बंधुत्व के संदेश को फैलाने के लिए एक उच्च-स्तरीय आयोग बनाया गया है। शुक्रवार को दूसरी वर्षगांठ के जश्न में पोप फ्रांसिस का एक वीडियो संदेश शामिल था, जिसका हिब्रू में भी अनुवाद किया गया था। अपने बयान में बाइडन ने कहा, 'बहुत लंबे समय से यह संकीर्ण सोच फल-फूल रही है कि हमारी साझा समृद्धि एक शून्य-राशि का खेल है, यह सोच कि एक व्यक्ति के सफल होने के लिए दूसरे का असफल होना जरूरी है।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि ऐसी सोच ने उन समस्याओं और संघर्षों को जन्म दिया है, जिन्हें हल करना अब किसी एक राष्ट्र या उसके लोगों के बस की बात नहीं है। बाइडन ने कहा, 'सहिष्णुता, समावेश और समझ को बढ़ावा देने के लिए हमें खुले माहौल में एक-दूसरे के साथ बातचीत करने की जरूरत है।

अफगानिस्तान में हवाई अड्डे पर हुए आत्मघाती हमले को रोका नहीं जा सकता था: पेंटागन

वाशिंगटन (एजेंसी)

अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के दौरान हुए हमले की सैन्य जांच के बाद निष्कर्ष निकला है कि हमले को 20 पाउंड विस्फोटक लिये हुए आत्मघाती हमलावर ने अकेले अंजाम दिया था और इस हमले में 170 अफगान नागरिकों और अमेरिका के 13 सैनिकों की मौत को रोका नहीं जा सकता था। यह विस्फोट 26 अगस्त को काबुल हवाई अड्डे के एबे गेट के बाहर हुआ था, जिसमें अमेरिका के 11 नौसैनिक, एक नाविक और एक सैनिक की मौत हो गई थी, जो अफगानिस्तान पर तालिबान के नियंत्रण के बाद देश से निकलने की कोशिश कर रहे हजारों अफगान नागरिकों की जांच कर रहे थे।

हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली थी। पेंटागन में शुक्रवार को सैन्य अधिकारियों ने ग्राफिक्स के जरिये बम हमले की मिनट-दर-मिनट की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमले में जान गंवाने वालों के घाव इतने जानलेवा थे कि उन्हें बचाया नहीं जा सकता था। उन्होंने यह भी कहा कि शुरूआत में लगा था कि हमले में गोलीबारी की गई, लेकिन यह बात सही नहीं निकली। अमेरिकी सेंट्रल कमान के प्रमुख जनरल फ्रैंक मैकेंजी ने कहा, एबे गेट पर हुए हमले को एक विस्फोटक उपकरण के जरिये अंजाम दिया था, जिसमें 170 अफगान नागरिकों और 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि इस उपकरण की घातकता का अंदाजा इस बात के लगाया जा सकता है कि बेहतरीन बम रोधी जैकेट और हेलमेट पहने होने के बावजूद अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई। जांचकताओं ने कहा कि हमलावर तालिबान और अन्य सुरक्षा चौकियों को चकमा देकर गेट के पास पहुंचा। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि तालिबान को हमले के बारे में पता नहीं था, सुरक्षा सावधानी बरती जा रही थी और उस दिन प्रसारित होने वाले संभावित खतरों के बारे में खुफिया जानकारी स्पष्ट नहीं थी। जांच का नेतृत्व करने वाले ब्रिगेडियर जनरल लांस कर्टिस ने कहा, हमारी जांच के आधार पर, सामरिक स्तर पर इसे रोका नहीं जा सकता था।

95 साल की हुई महारानी एलिजाबेथ 11, ब्रिटेन के 4 पीएम में से तीन की उम्र उनके शासनकाल से भी कम, इतना लंबा रहा कार्यकाल

लंदन (एजेंसी)

दुनिया का एक ऐसा शख्स जो जब आखिरी सांस लेगा तो कई देशों की करंसी ही बदल जाएगी। उसकी मौत सदी की सबसे बड़ी घटनाओं में से एक होगी। हम बात कर रहे हैं ब्रिटेन के रायल फैमली की और उनकी महारानी एलिजाबेथ द्वतीय की जो पिछले सात दशकों से ब्रिटेन के राज सिंहासन पर काबिज हैं। 95 साल की हो चुकी महारानी का कार्यकाल इतना लंबा रहा है कि महारानी पिछले 70 सालों से ब्रिटेन के राज सिंहासन पर काबिज है। 95 साल की हो चुकी महारानी का ये शासनकाल इतना लंबा है कि उनके पिछले चार प्रधानमंत्रियों में से तीन की उम्र उनके शासनकाल से भी कम है। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय 6 फरवरी को 70 वर्षों तक शासन करने वाली पहली ब्रिटिश शासक बन जाएंगी। 6 फरवरी का दिन है जब एलिजाबेथ द्वितीय ने 1952 में ग्रेट ब्रिटेन का सिंहासन संभाला। लेकिन इस सप्ताह के अंत में ऐतिहासिक तारीख को बहुत कम धूमधाम से देखा जाएगा, क्योंकि 95 वर्षीय महारानी के वर्षगांठ को चिह्नित करने वाले उत्सव 2 से 5 जून के कार्यक्रमों के साथ समाप्त होंगे। चिकित्सकों ने महारानी (95) को हाल में और आराम करने की सलाह दी थी, इसलिए यह स्पष्ट नहीं है कि वह किस-किस कार्यक्रम में शामिल होंगी।

ब्रिटिश शाही परिवार

21 अप्रैल, 1926 की वो तारीख जब जो ड्यूक और डचेस ऑफ वॉर्क की पहली संतान एलिजाबेथ एलेक्जेंडा नेरी का जन्म लंदन में हुआ। साल 1947 में राजकुमारी एलिजाबेथ ने लेफ्टिनेंट फिलिप माउंटबेटन से वेस्टमिंस्टर एबी में शादी की। 1948 में प्रिंस चार्ल्स का जन्म हुआ। जिसके ठीक दो साल बाद राजकुमारी एनी का जन्म हुआ। 1960 में प्रिंस एंड्रू का जन्म हुआ। 24 फरवरी 1981 को डायना और प्रिंस ऑफ वेल्स की सगाई की पुष्टि हो गई। बताया जाता है कि उस वक्त डायना की अंगूठी की कीमत लगभग 30,000 पाउंड थी जिसमें एक नीलन और 14 हीरे जड़े थे। डायना की शादी 29 जुलाई 1981 को राजकुमार चाल्स से हुई। इस शादी पूरी दुनिया में करीब 750 मिलियन लोगों ने टीवी पर लाइव देखा था। डायना और चार्ल्स का तलाक 28 अगस्त 1996 को हुआ। 31 अगस्त 1997 को डायना की एक सड़क हादसे में मौत हो गई थी। जनवरी 2020 में ब्रिटेन के राजकुमार हैरी और उनकी पत्नी मेगन मर्केल ने राजपरिवार की ओर से मिली वरिष्ठता छोड़ने का ऐलान किया है। 9 अप्रैल 2021 को राजकुमार फिलिप की मृत्यु हो गई। एलिजाबेथ छह फरवरी को सात दशकों तक शासन करने वाली ब्रिटेन की पहली महारानी बन जाएंगी।

ब्रिटेन में जश्न समारोह

महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के सिंहासन पर बैठने के 70 वर्ष पूरे होने के अवसर पर ब्रिटेन में सैन्य परेड, जश्न समारोहों और प्लैटिनम जुबली के लिए नई मिठाई बनाने संबंधी एक प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। बकिंघम पैलेस ने जानकारी दी। इस सप्ताह महारानी के सम्मान में एक अतिरिक्त दिन का सार्वजनिक अवकाश दिया जाएगा। सप्ताहांत वार्षिक सैन्य परेड के साथ दो जून से आरंभ होगा। इसके बाद तीन जून को ब्रिटेन, उसके अन्य क्षेत्रों और राष्ट्रमंडल में महारानी की सेवाओं के सम्मान में कार्यकम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान महारानी के महल में 'प्लैटिनम पुडिंग' प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। विजेता व्यंजन को सप्ताहांत कार्यक्रमों में शामिल किया जाएगा। द बिग जुबली लंच और फोर्टनम एंड मेसन 8 साल और उससे अधिक उम्र के ब्रिटेन के निवासियों से उत्तम प्लेटिनम पुडिंग की पाक विधि के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहे हैं।' इससे चुने गए पांच प्रतियोगी डेम मैरी बेरी, मोनिका गैलेटी और बकिंघम पैलेस के हेड शेफ मार्क फ्लैनगन सहित एक विशेषज्ञ समिति के लिए अपनी पुडिंग तैयार करेंगे।

शाही परिवार के नियम

ब्रिटेन का शाही परिवार दुनिया का सबसे चर्चित शाही परिवार है। महारानी एलिजाबेथ-द्वितीय, बेटे-बहुओं, पोते, पोतियों के अलावा रानी के करीबी रिश्तेदार इस शाही परिवार के सदस्य हैं। इस परिवार का नाम आते ही हमें उनका शाही अंदाज नजर आता है, उनकी ठाठबाट दिखती है। लेकिन क्या आपको पता है कि इस शाही परिवार में कई ऐसे अजीब नियम बने हैं, जो हर किसी को मानने पड़ते हैं। ये नियम वर्षों से चले आ रहे हैं।

अगर रानी खड़ी होती हैं, तो वहां मौजूद हर शख्स के लिए खड़े होना जरूरी है। अगर आप रानी के साथ टेबल पर खाना खा रहे हैं, तो रानी के आखिरी निवाला खाने के बाद वहां मौजूद कोई भी शख्स खाना नहीं खा सकता। रानी का अभिवादन करते समय शाही परिवार के पुरुष को गर्दन झुकानी होती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

इंदौर में सामने आया 3 तलाक का मामला, घरेलू हिंसा का दर्ज हुआ प्रकरण

भोपाल। मध्य प्रदेश के इंदौर में तीन तलाक का मामला सामने आया है। सहायक अध्यापक ने तीन तलाक कहकर पत्नी को दिया तलाक दे दिया था। जिसके बाद पत्नी ने जिला कोर्ट में गुहार लगाई थी। महिला बाल विकास विभाग अधिकारी से मामले की जांच कराने के बाद इंदौर जिला कोर्ट ने परिवार पर घरेलू हिंसा का मामला दर्ज करने का आदेश दिया है। दरअसल यह पूरा मामला पदस्थ सहायक अध्यापक एजाज का है। 14 मई 2014 में सहायक अधयापक का निकाह इंदौर के खजराना में रहने वाली पीड़िता से हुआ था। निकाह के बाद से ही परिवार ने पीड़िता को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। वहीं इस बीच पीड़िता के साथ इतनी मारपीट की पीड़िता का कान का पर्दा तक फट गया। और पीड़िता को तीन तलाक कहकर पति ने घर से निकाल दिया था। पीड़िता ने तीन तलाक का मामला इंदौर के सदर बाजार थाने में दर्ज करवाया था। आपको बता दें कि जब पीड़िता प्रेग्नेंट हुई और उसको पता चला कि उसका बच्चा एब्नॉर्मल है तो हाईकोर्ट अबॉर्शन करने की अनुमति दी थी। अध्यापक पति कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ और पीड़िता को लगातार प्रताड़ित करता रहा। इसके बाद इंदौर जिला कोर्ट ने पूरे मामले की जांच इंदौर महिला बाल विकास अधिकारी को दी है।

पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित कराने के लिए राशन डिपुओं पर राशन वितरण पर 20 फरवरी तक रोक

होशियारपुर । जिला निर्वाचन अधिकारी होशियारपुर श्रीमती अपनीत रियात ने जिले में निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित कराने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। श्रीमती रियात ने कहा कि विधान सभा चुनाव के मद्देनजर प्राप्त शिकायतों से यह चिंता जताई जा रही थी कि कुछ राजनीतिक नेता सरकारी राशन के वितरण के दौरान मौजूद होकर चुनाव का लाभ उठाने की कोशिश कर सकते हैं। जिसके कारण चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए जिले के सभी डिपो पर राशन वितरण तत्काल बंद कर दिया गया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग और राशन डिपो को निर्देशित करते हुए कि 20 फरवरी तक राशन वितरण न करें। उन्होंने जिले के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग से भी कहा कि इस दौरान पूरी सतर्कता बरतें, ताकि कोई भी राजनीतिक लाभ हासिल करने की कोशिश न कर सके। उन्होने कहा कि 21 फरवरी से पुनः राशन वितरण किया जा सकेगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि जिले में विधानसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लागू आदर्श चुनाव संहिता का अनुपालन सुनिश्चित कराने में कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आदर्श चुनाव संहिता का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मौसम विभाग ने कश्मीर में बारिश, बर्फबारी का अनुमान जताया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में न्यूनतम तापमान में गिरावट के बीच मौसम विभाग ने अगले चौबीस घंटों में घाटी में अलग-अलग जगहों पर बारिश या बर्फबारी होने का अनुमान जताया है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में पारा शून्य से 1.6 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वहीं, उत्तरी कश्मीर के प्रसिद्ध स्की-रिजॉर्ट गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान शून्य से 9.8 डिग्री सेल्सियस नीचे रिकॉर्ड हुआ। अधिकारियों ने कहा कि पहलगाम में न्यूनतम तापमान शून्य से 11.3 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया और यह पिछली रात शून्य से 3.4 डिग्री सेल्सियस कम था। उन्होंने बताया कि पहलगाम घाटी का सबसे ठंड स्थान रहा। अधिकारियों के मुताबिक, काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 3.3 डिग्री सेल्सियस नीचे, जबकि पास के कोकरनाग शहर में शून्य से 4.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। उन्होंने बताया कि उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में पारा शून्य से चार डिग्री सेल्सियस नीचे लुढ़क गया। मौसम विज्ञान कार्यालय ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहने के आसार हैं, लेकिन शनिवार को ऊंचाई वाले इलाकों में एक या दो स्थानों पर बहुत हल्की बारिश या बर्फबारी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। कार्यालय ने कहा कि अगले दो दिनों में छिटपुट जगहों पर हल्की बारिश या बर्फबारी होने का अनुमान है। कश्मीर अभी 20दिन लंबे चिल्लई-खुर्द (छोटी सर्दी) के प्रभाव में है, जो 31 जनवरी को चिल्ला-ए-कलां की समाप्ति के बाद शुरू हुआ था। चिल्ला-ए-कलां 40 दिनों की सबसे भीषण ठंड की अवधि को कहते हैं, जिसका आगाज बीते साल 21 दिसंबर को हुआ था। चिल्लई-खुर्द की समाप्ति के बाद 10 दिनों तक चलने वाला चिल्लई-बच्चा आता है। हालांकि, इन दोनों ही अवधियों को ठंड के लिहाज कम कठोर माना जाता है।

योगी आदित्यनाथ ने यूपी की तकदीर और तस्वीर बदलने में नहीं छोड़ी कोई कसर: जेपी नड्डा

हापुड़। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शनिवार को उत्तर प्रदेश के हापुड़ में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की पिछली सरकारों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज बसंत पंचमी है। आप सभी को बसंत पंचमी की हार्दिक शुभकामनाएं। हम खुशहाली के साथ आगे बढ़ें, ये मैं कामना करता हूं। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार गरीबों को समर्पित है। ये सरकार पीड़ितों को समर्पित है। ये सरकार अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को, दलितों को, युवाओं को, महिला शक्ति को, किसानों को समर्पित है। हमारी सभी योजनाओं ने देश की तस्वीर बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यक्रमों ने भारत की तस्वीर और तकदीर बदलने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ऐसा ही हाल उत्तर प्रदेश का है। उन्होंने कहा कि साल 1971 से 2014 तक बैंक में खाता खुलवाने वालों की संख्या करीब पौने तीन करोड़ थी। आज करीब 45 करोड़ लोगों के जनधन योजना के तहत बैंक खाते खोले गए हैं। कोरोना संकट के समय इन्हीं जनधन खातों से महिलाओं को आर्थिक मदद दी गई। उन्होंने कहा कि उज्ज्वला योजना के तहत देश भर में करीब 10 करोड़ रसोई गैस कनेक्शन मुफ्त बांटे गए हैं। उत्तर प्रदेश में करीब 1.50 करोड़ कनेक्शन बांटे गए हैं। ये महिलाओं का सशक्तिकरण है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कोरोना महामारी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 80 करोड़ गरीब जनता को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत राशन उपलब्ध कराया और उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को लाभ मिला रहा है। उन्होंने कहा कि 2014 में उत्तर प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज थे, आज उत्तर प्रदेश में देश में सबसे ज्यादा 59 मेडिकल कॉलेज हैं। आज उत्तर प्रदेश में 5 अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हो गए हैं। जेवर एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा और दुनिया के पांचवें नंबर का एयरपोर्ट बन रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि इस बजट में प्रावधान किया गया है कि एक साल में करीब 25,000 किमी की सड़कें बनेंगी, जिसमें 20,000 करोड़ रुपए खर्च होंगे। हर घर जल पहुंचे इसके लिए 60,000 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

जब होगा कानून का शासन तभी विकास करेगा योगासन : राजनाथ सिंह

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

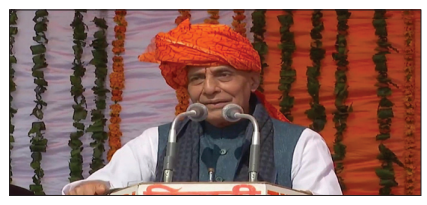

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने प्रचार शुरू कर दिए हैं। पहले और दूसरे चरण के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में प्रचार अपने चरम पर है। इन सबके बीच आज रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आगरा में थे जहां उन्होंने एक चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान राजनाथ सिंह ने योगी आदित्यनाथ के कामकाज को गिनाया और लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील की। राजनाथ सिंह ने कहा कि विकास की दरख़्त होती है कानून-व्यवस्था का दुरुस्त होना। 'जब होगा कानून का शासन तभी विकास करेगा योगासन'...84 प्रकार के योगासन होते हैं और यूपी में विकास 83 तरह के योगासन कर रहा है। एक योगासन को हमने विपक्ष के लिए छोड़ा है, जिसका नाम है शीर्षासन।

राजनाथ ने कहा कि मैं योगी आदित्यनाथ को बधाई देता हूँ कि उन्होंने उत्तर परेश में बहुत अच्छी कानून और व्यवस्था दी है। गुंडे और माफिया आजकल जेल में सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। राजनीति केवल सरकार बनाने के लिए नहीं होनी चाहिए बल्कि समाज बनाने के लिए होनी चाहिए। मजहब और जाति की राजनीति भाजपा को स्वीकार नहीं है। रक्षा मंत्री ने कांग्रेस पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेता हमारी सेना के शौर्य और पराक्रम पर सवालिया निशान लगते हैं। इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि नए भारत का निर्माण तभी होगा जब नए उत्तर प्रदेश का निर्माण होगा। यह काम केवल भाजपा ही कर सकती है। राजनाथ ने कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने गलवान की घटना को लेकर सवालिया निशान लगाये। जबकि आस्ट्रेलिया के समाचार पत्र में साफ लिखा है की गलवान में चीन के 38 से लेकर 50 सैनिक मारे गए। कांग्रेस ने जनता को गुमराह किया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि हमारी नीतियों से पाकिस्तान और चीन में दोस्ती हो गई है। लेकिन जब पाकिस्तान ने शक्सगाम घाटी चीन को सौंप दी थी तब नेहरूजी देश के प्रधानमंत्री थे। पीओके में जब कराकोरम हाइवे बना तो इंदिराजी प्रधानमंत्री थीं। जब सीपीईसी का निर्माण शुरू हुआ तब भी कांग्रेस सरकार थी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री रहे राजनाथ सिंह ने कहा कि पहले उत्तर प्रदेश में 2-4 मेडिकल कॉलेज थे। आज हम लोगों ने फैसला किया है कि यूपी के हर जिले में मेडिकल कॉलेज होगा। 59 मेडिकल कॉलेज या तो बन गए हैं या तो निमार्णाधीन हैं। प्रदेश में एक भी ऐसा ज़िला नहीं शेष रहेगा जहां मेडीकल कालेज न खुला हो। उन्होंने कहा कि आज अंतराष्ट्रीय जगत में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ी है। आज जब भारत बोलता है तो दुनिया ध्यान से सुनती है। कोरोना काल में भी हमारी सरकार ने बहुत अच्छा काम किया है। जितनी तेजी से टीकाकरण इस देश में हुआ है वह कहीं और नहीं हुआ है।

भाजपा गठबंधन ने की 11 सूत्री संकल्प दस्तावेज की घोषणा, पुलिस बल में महिलाओं को आरक्षण देने का किया वादा

चंडीगढ़। भाजपा और इसके गठबंधन सहयोगी पंजाब लोक कांग्रेस तथा शिअद (संयुक्त) ने पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को 11 सूत्रीय संकल्प दस्तावेज की घोषणा की। इसमें बेअदबी के मामलों के लिए फास्ट ट्रैक अदालतें, 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली, पुलिस बल में महिलाओं को 33 फीसदी आरक्षण और पांच एकड़ तक भूमि वाले किसानों की कर्ज माफी का वादा किया गया है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, पंजाब लोक कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह, शिअद (संयुक्त) प्रमुख सुखदेव सिंह ढींढसा और भाजपा की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अश्विनी कुमार शर्मा समेत अन्य नेता मौजूद थे। पुरी ने कहा कि सत्ता में आने पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) पंजाब की सुरक्षा और शांति के साथ ही सबका साथ, सबका विकास के आधार पर सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेगा। पुरी ने कहा कि सरकार बनने के दो साल के भीतर सभी वादे चरणबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे। भाजपा नेता अश्विनी शर्मा ने कहा कि बेअदबी के मामलों के लिए विशेष कार्यबल और फास्ट ट्रैक अदालतें गठित की जाएंगी। इस दौरान अमरिंदर सिंह ने रक्षा बलों के शहीदों के परिवार को अनुग्रह राशि दोगुना कर एक करोड़ रुपये देने का भी वादा किया।

क्या राजद का अध्यक्ष बनने जा रहे तेजस्वी? लालू यादव ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)

पिछले तीन-चार दिनों से इस बात की अटकलें जोरों पर है कि लालू यादव अपनी राजनीतिक विरासत तेजस्वी यादव को सौंपने जा रहे हैं। इसी कड़ी में लालू यादव अब पार्टी अध्यक्ष का कमान भी तेजस्वी यादव को सौंप देंगे। आज इसी को लेकर राजद सुप्रीमो लालू यादव से सवाल किया गया। लालू यादव ने साफ तौर पर कहा कि वह मूर्ख लोग हैं जो यह बात फैला रहे हैं। जो भी होगा सभी को पता चल जाएगा। इसका मतलब साफ है कि फिलहाल लालू यादव ने तेजस्वी यादव के पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने की खबरों को खारिज कर दिया है। लालू यादव ने कहा कि मैं ही अभी पार्टी का सारा काम देख रहा हूं। इससे पहले लालू यादव की पत्नी और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने भी मीडिया में चल रही अटकलों को खारिज कर दिया था। राबड़ी देवी के मुताबिक यह झूठी खबर थी जिसे मीडिया में खूब चलाया जा रहा था। लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने भी इस बात को खारिज कर दिया था। तेज प्रताप यादव ने कहा था कि तेजस्वी के अध्यक्ष बनने की खबरों पर तेज प्रताप ने जो बयान दिए हैं उससे भी ऐसा ही लग रहा है कि फिलहाल वह इससे खुश नहीं हैं। तेज प्रताप ने दावा किया कि हमारे पिता लालू यादव पहले से ही पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और उन्होंने शुरू से ही संगठन को अच्छे तरीके से चलाया है। तेज प्रताप ने यह भी कहा कि लालू यादव ही राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं और वही रहेंगे।

आपको बता दें कि तेजस्वी यादव बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। माना जाता है कि लालू यादव अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी उन्हीं को मानते हैं। फिलहाल तेजस्वी यादव विपक्ष के नेता हैं और 2020 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद के भी दावेदार थे। लालू यादव फिलहाल खराब स्वास्थ्य की समस्याओं से जूझ रहे हैं। वह ज्यादातर दिल्ली में ही रहते हैं। दूसरी ओर चारा घोटाला के एक मामले को लेकर फैसला भी आने वाला है। यही कारण है कि इस बात की अटकलें जोरों पर थी कि लालू यादव अब आरजेडी प्रमुख पद छोड़ देंगे और तेजस्वी यादव को सौंप देंगे।

हाई कोर्ट ने असम सरकार के फैसले को रखा बरकरार, मदरसों को स्कूल में बदलने को लेकर दी हरी झंडी

नई दिल्ली (एजेंसी)

गुवाहाटी हाईकोर्ट ने असम सरकार के उस फैसले को सही ठहराया है जिसके तहत प्रदेश के सभी मदरसों को आम स्कूलों में बदलने का ऑर्डर दिया गया था। प्रदेश की हेमतां बिस्वा सरमा सरकार की तरफ से ये फैसला असम रिपीलिंग एक्ट-2020 के तहत दिया था जिसे हाईकोर्ट ने सही ठहराया है। मुख्य न्यायाधीश सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति सौमित्र सैकिया की पीठ ने कहा कि कि विधानसभा और राज्य सरकार द्वारा लाये गए बदलाव का जो फैसला किया गया है वो सिर्फ सरकारी मदरसों के लिए है न कि निजी मदरसों के लिए। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने विधानसभा में असम रिपीलिंग एक्ट-2020 पास करते हुए इस कानून के आधार पर सरकारी सहायता प्राप्त मदरसों को विद्यालयों में बदलने का निर्णय लिया था। इस ऐक्ट के तहत मदरसा शिक्षा (प्रांतीयकरण) अधिनियम-1995 और असम मदरसा शिक्षा (कर्मचारियों की सेवाओं का प्रांतीयकरण और मदरसा शैक्षिक संस्थानों का पुनर्गठन) अधिनियम-2018 को खत्म कर दिया गया था। 2021 में 13 व्यक्तियों की ओर से दायर याचिका के माध्यम से राज्य सरकार के उस निर्णय को चुनौती दी गई थी, जिसके तहत सरकार द्वारा वित्त पोषित मदरसों को सामान्य स्कूलों में बदला जाना है। कोर्ट ने पिछले साल 13 लोगों के जरिये दाखिल असम रिपीलिंग एक्ट-2020 को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए अपने आदेश में कहा कि पूरी तरह सरकार द्वारा वित्त पोषित मदरसे मजहबी तालिम नहीं दे सकते।

राहुल के दो भारत वाले बयान पर सिंधिया बोले- आश्चर्य है कि एक भारतीय ऐसा कह सकता है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

हाल में ही राहुल गांधी ने संसद में मोदी सरकार पर जबरदस्त तरीके से प्रहार किया था। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद चर्चा में राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमला करते हुए दो भारत करने का आरोप लगाया था। इसी को लेकर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अब राहुल गांधी पर पलटवार किया है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आश्चर्य जताया कि एक भारतीय नागरिक ऐसा कैसे कह सकता है। सिंधिया ने कहा कि राहुल गांधी ने कहा कि भारत को दो भागों में बांट दिया गया है। मुझे आश्चर्य है कि ऐसा बयान भारत का कोई नागरिक दे पाए। शायद राहुल गांधी का बयान उस संदर्भ में था कि 2014 से पहले एक ऐसा देश था जहां प्रगति नहीं होती थी। सिंधिया ने आगे कहा कि विकास नहीं होता था। केवल भ्रष्टाचार होता था और अर्थव्यवस्था का कुप्रबंधन होता था। ढट मोदी के आने के बाद एक दूसरा देश निकला है। जहां भ्रष्टाचार पर अंकुश लगा, जहां प्रगति के लिए विकास के द्वार खोले गए। अब विश्व पटल पर भारत उजागर हो रहा है। आपको बता दें कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि नरेंद्र मोदी सरकार में दो हिंदुस्तान बन गए हैं जिनमें से एक अमीरों और दूसरा गरीबों के लिए है। इस देश के दो नजरिये हैं। एक नजरिया यह है कि देश राज्यों का संघ है जिसका मतलब है कि संवाद होगा...आप भारत में शासन करने वाले किसी साम्राज्य को देख लीजिए। आप अशोक महान को देख लें, मौर्य वंश को देख लें, आप यह पाएंगे कि आपसी संवाद के जरिये शासन किया गया।' राहुल ने कहा कि दूसरा नजरिया देश को 'शहंशाह' की तरह चलाने का है।

रेल मंत्री का बड़ा प्लान, रेलवे स्टेशनों का किया जाएगा पुनर्विकास

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

रेल मंत्रालय रेलवे स्टेशनों का तकनीकि-आर्थिक व्यवहार्यता अध्ययन करा रहा है। यह बात रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने शुक्रवार को राज्यसभा में बताई। इस अध्ययन को कराकर प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थित स्टेशनों को विकसित करने की योजना बनाई गई है।

रेल मंत्रालय ने राज्यसभा में बताई योजना

शुक्रवार को राज्यसभा में रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिक एंव सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्वनी वैष्णव ने कहा कि रेल मंत्रालय अलग-अलग एजेंसियों के माध्यम से रेलवे स्टेशनों का टेक्नो-इकोनॉमिक फीजेबिलिटी अध्ययन कर रहा है। इस अध्ययन के परिणामों के आधार पर स्टेशनों को चरणों में विकसित करने की योजना बनाई गई है। आपको बता दें कि विशेष रूप से प्रमुख शहरों और पर्यटन स्थलों में स्थित स्टेशनों का पुनर्विकस किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के तहत गुजरात की राजधानी गांधीनगर और पश्चिम मध्य रेलवे के तहत रानी कमलापति रेलवे स्टेशन (मध्यप्रदेश) को चालू किया गया है। इसी कड़ी में दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत बैंगलोर का सर एम. विश्वेश्वरैया टर्मिनल चालू होने के लिए तैयार है। एक विकसित स्टेशन में प्रस्तावित सुविधाओं में स्टेशन परिसर में भीड़ भाड़ मुक्त गैर-विरोधी प्रवेश निकास, यात्रियों के आगमन-प्रस्थान को अलग करना, शहर के दोनों किनारों और परिवहन प्रणालियों के अन्य साधनों के साथ एकीकरण शामिल है।

बड़े पैमाने पर पुनर्विकास की तैयारी

इसमें बस मेट्रो समेत जहां भी संभव हो सके वहां उपयोगकर्ता के अनुकूल अंतर्राष्ट्रीय साइनेज, अच्छी तरह से प्रकाशित परिसंचारी क्षेत्र और ड्रॉप ऑफ, पिकअप और पार्किंग आदि के लिए पर्याप्त प्रावधान होंगे। इतने बड़े पैमाने पर रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास अपनी तरह का पहला और कॉम्प्लेक्स नेचर वाला है। वृस्तित टेक्नो-इकोनॉमिक फीजेबीलिटीअध् शहरी और स्थानीय निकायों आदि से विभिन्न वैधानिक मंजूरी की जरूरत है।

राहुल का मोदी पर तंज, कहा- यूपीए के समय हिंदुस्तान में प्रधानमंत्री था, आज हिंदुस्तान में राजा है

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी लगातार मोदी सरकार पर हमलावर हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर वह लगातार निशाना साध रहे हैं। इन सब के बीच आज राहुल गांधी उत्तराखंड विधानसभा चुनाव को लेकर आज राज्य के दौरे पर थे। उधम सिंह नगर में एक सभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमला किया है। राहुल गांधी ने दावा किया कि कांग्रेस के समय भारत में प्रधानमंत्री होता था जबकि आज के भारत में प्रधानमंत्री की जगह राजा है। उन्होंने काह कि प्रधानमंत्री सुनता है, प्रधानमंत्री के दरवाजे किसानों, मजदूरों और छोटे व्यापारियों के लिए खुले होते हैं। अगर प्रधानमंत्री सभी के लिए काम नहीं करता है तो, वह प्रधानमंत्री नहीं हो सकता। कांग्रेस नेता ने कहा कि आज नरेंद्र मोदी जी प्रधानमंत्री नहीं हैं। हिंदुस्तान के किसान एक साल ठंड में, कोरोना में सड़क पर खड़े थे। प्रधानमंत्री ने उनसे बात करने तक की कोशिश की? नहीं।

गांधी ने कहा कि कांग्रेस किसानों, युवाओं, मजदूरों या गरीबों के लिए अपने दरवाजे बंद नहीं करेगी और वह उनके साथ साझेदारी चाहती है। उन्होंने काह कि उस समय किसान हो या मजदूर सभी सरकार के पास आते थे और आपके दिल में जो भी होता था, आप कह जाते थे। कभी-कभी हमें कहना पड़ता था कि देखिए, हम आपसे सहमत नहीं हैं और कभी हम आपकी बात से सहमत हुआ करते थे। राहुल ने काह कि आज आपके नेता ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह जी का समय एक गोल्डन पीरियड था। वह गोल्डन पीरियड क्यों था? वह इसलिए, क्योंकि उस समय सरकार और किसानों के बीच पार्टनरशिप थी। उस समय सरकार के दरवाजे खुले हुआ करते थे, बंद नहीं थे। उन्होंने कहा कि हम किसान बिलों के खिलाफ क्यों खड़े हुए, क्योंकि यह एक अन्याय था। यह हिंदुस्तान के किसानों और मजदूरों के खिलाफ अन्याय था, इसलिए कांग्रेस पार्टी आपके साथ खड़ी हुई।

राहुल ने आगे कहा कि आज दो हिंदुस्तान बन रहे हैं। एक अमीरों का हिंदुस्तान जिसमें प्राइवेट हवाई जहाज, 5/7 स्टार होटल्स और मर्सिडीज गाड़ी है। यह अमीर लोगों का हिंदुस्तान है। इसमें ना कानून से कोई लेना देना नहीं। आप कुछ भी करना चाहते हो कर दो। यह चुने हुए लोगों का हिंदुस्तान है। दूसरा हिंदुस्तान है गरीबों, किसानों और मजदूरों का। उसमें आपको रोजगार नहीं मिलेगा, आपकी जमीन छीनी जाएगी, पेट्रोल डीजल के दाम बढ़ते जाएंगे, महंगाई बढ़ती जाएगी। हम दो हिंदुस्तान नहीं, हम बस एक हिंदुस्तान चाहते हैं और न्याय होना चाहिए। उन्होंने काह कि आपने देश की सरकार को बताया कि हिंदुस्तान की सच्चाई से हम नहीं हटने वाले हैं। आप हमें ना खरीद सकते हो, ना डरा सकते हो और ना ही दबा सकते हो। हम नहीं हटेंगे। उन्होंने काह कि लोग कहते हैं कि कांग्रेस पार्टी ने हरित क्रांति दी। नहीं, बल्कि कांग्रेस पार्टी ने किसानों के साथ पार्टनरशिप बनाकर देश को हरित क्रांति दी। अपना खून पसीना हिंदुस्तान के किसान ने दिया था।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने काह कि मेनिफेस्टो में हम चीजें लिखेंगे, लेकिन आप नीयत और इरादा समझिए। हमारा इरादा आपके साथ पार्टनरशिप बनाने का है। हम आपके साथ बातचीत करना चाहते हैं। हमारे दरवाजे आपके लिए खुले रहेंगे। उन्होंने कहा कि मैं आपको एक गारंटी दे सकता हूं कि जो नरेंद्र मोदी जी ने आपके साथ किया। आपको एक साल, सड़क पर, ठंड में और कोरोना के समय खड़ा कर दिया, कांग्रेस पार्टी मर जाएगी, खत्म हो जाएगी, लेकिन यह कभी नहीं करेगी। कांग्रेस नेता ने काह कि मेरा संदेश यही है कि किसानों, मजदूरों, युवाओं और उत्तराखंड की जनता, आप सभी के साथ पार्टनरशिप बनाना चाहते हैं। हम ऐसी सरकार चाहते हैं, जिसमें आपको लगे कि यह हमारी सरकार है और आप दिल खोलकर जो कहना चाहे कह सकते हैं। हम चाहते हैं कि जो सबसे गरीब लोग हैं, उनको यह लगे कि वह अकेले हैं, बल्कि उनकी सरकार, उनका प्रदेश उनके साथ खड़ा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई